तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com
कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 37 अंक 27 | कोरबा, मंगलवार, दिनांक 28 अक्टूबर 2025 डाक 29 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पूजा का हुआ समापन

पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, बिहार सीएम ने अपने आवास से उगते सूरज को दिया उषा अर्घ्य

नईदिल्ली /लखनऊ/ पटना , 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

सूर्य उपासना के महापर्व छठ का आज समापन हो रहा है। उगते सूर्य को 'उषा अर्घ्य' अर्पित करने के लिए तड़के से ही श्रद्धालु देशभर के घाटों पर जुट गए हैं। बिहार सहित पूरे देश में छठ पूजा पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विक्रम सरोवर, विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में छठ पूजा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, ...मैं सभी को छठ की बधाई देता हूं। ये हमारी माता-बहनों के कठिन व्रत के बाद पूरे परिवार के कुशल और देश व प्रदेश के प्रगति के लिए उनके मन के संकल्प से हमारी सनातन संस्कृति की रक्षा होती है। मेरी अपनी ओर से पुन सभी को बधाई।

इस पर्व को पूरा देश मना रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उगते सूर्य को दिए जाने वाले उषा अर्घ्य में शामिल हुए। पूजा के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, समस्त छत्तीसगढ़वासियों और कुनकुरी विधानसभा के वासियों को छठ महापर्व की शुमकामनाएं। हमारा हर बार प्रयास रहा है कि हम छठ पर्व पर यहां छठव्रतियों का दर्शन करे और सूर्य भगवान को अर्घ्य दें तथा छठी मैया की पूजा करे...छठी मैया से निवेदन किए हैं कि सबके घर में खुशी और समृद्धि हो। कुनकुरी छठ घाट के लिए 5 करोड़ 17 लाख रुपए की स्वीकृति हुई है और यहां पर एक अच्छा छठ घाट बनकर तैयार होगा। हमें लगता है कि अगले साल छठ पर्व आते-आते ये घाट तैयार हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपने पटना स्थित आवास से छठ पूजा की। इस दौरान उन्होंने कहा, छठी मैया ने बिना मांगे इतना कुछ दिया है लेकिन हां मैं ये मानता हूं जिस विकसित बिहार की हम कल्पना करते हैं और उस विकसित परिवार तथा उस विकसित बिहार में हर परिवार में खुशियां और समृद्धि आए। यही कामना की है कि छठी मैया का ये आर्शीवाद बिहार और देश के हर व्यक्ति और परिवार को मिले। छठ पर्व के साथ लोकतंत्र का महापर्व भी चल रहा है ऐसे में आज जब हम लोग छठ का उगते सूर्य को अर्घ्य देकर इस पर्व को पूर्ण किया। एक महापर्व समाप्ति की ओर है तो दूसरी ओर लोकतंत्र का दूसरा महापर्व वो अपनी चरम सीमा पर अपने पूर्णरूप में आएगा। आज से हम लोग प्रचंड प्रचार की शुरुआत करेंगे और जो भी परिणाम आएंगे हम जानते हैं हमारे पक्ष में आएंगे लेकिन वो परिणाम बिहार और बिहारवासियों के लिए सुखद होंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने छठ पूजा के अंतिम दिन पटना स्थित अपने आवास पर उगते सूर्य को उषा अर्घ्य अर्पित किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट में छठ समापन को लेकर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, भगवान सूर्यदेव को प्रातः कालीन अर्घ्य के साथ आज महापर्व छठ का शुभ समापन हुआ। चार दिवसीय इस अनुष्ठान के दौरान छठ पूजा की हमारी भव्य परंपरा के दिव्य दर्शन हुए। समस्त व्रतियों और श्रद्धालुओं सहित पावन पर्व का हिस्सा बने अपने सभी परिवारजनों का हृदय से अभिनंदन! छठी मइया की असीम कृपा से आप सभी का जीवन सदैव आलोकित रहे।

बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जयसवाल ने छठ पूजा के आखिरी दिन किशनगंज में उगते सूर्य को उषा अर्घ्य दिया। उन्होंने पूजा के बाद कहा, यह आस्था का महापर्व है। हमने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया... आज मुझे किशनगंज में छठ पूजा मनाने का अवसर मिला। मैं छठी मैया से लोगों के बीच सद्भाव, आपसी प्रेम और सभी के स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना करता हूं। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और बिहार में चुनाव प्रभारी बनाकर भेजे गए केशव प्रसाद मौर्य ने भी पटना में छठ पूजा में हिस्सा लिया। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने छठ पूजा अनुष्ठान में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने कहा, आज, मैं बिहार और देश के सभी लोगों को, जो छठ पूजा मना रहे हैं उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। छठी मैया सभी पर कृपा करें, खासकर बिहार पर, ये एक महापर्व है। आज हम उगते सूर्य को अर्घ्य देते हैं, हमने भी अर्घ्य दिया है।

दिल्ली हाईकोर्ट में तीन नए जजों ने ली पद की शपथ

न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर हुई 44

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट को मंगलवार को तीन नए न्यायाधीश मिले। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता, अवनीश झिंगन और चंद्रशेखरन सुधा ने मंगलवार को पद की शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने नए न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिशों के बाद केंद्र सरकार ने 14 अक्टूबर को तीनों न्यायाधीशों के ट्रांसफर की अधिसूचना जारी की थी। न्यायमूर्ति मेहता और झिंगन को राजस्थान हाई कोर्ट से दिल्ली स्थानांतरित किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति सुधा केरल हाई कोर्ट की न्यायाधीश थीं। तीन नए जजों की शपथ के बाद दिल्ली हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 44 हो गई है जबकि न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 60 है।

उत्तराखंड सरकार का बड़ा फैसला, पेंशनरों का महंगाई भत्ता इतने प्रतिशत बढ़ा दिया

देहरादून। प्रदेश सरकार ने राजकीय कर्मचारियों के बाद सातवां वेतनमान के अंतर्गत पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के लिए भी महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि कर दी। उन्हें अब 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत महंगाई राहत दी जाएगी। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया। शासन ने विगत 11 अक्टूबर को सातवां वेतनमान ले रहे राजकीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि की थी। अब पेंशनर को भी राहत दी गई है। इससे लगभग 40 हजार पेंशनर लाभान्वित होंगे। उन्हें एक जुलाई, 2025 से महंगाई राहत दी गई है।

तुर्किए में 6.1 तीव्रता के भूकंप के जोरदार झटके से दहशत, कई इमारतें ढहीं

नई दिल्ली। तुर्किए के बालिकेसिर प्रांत में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को 6.1 तीव्रता का तेज भूकंप आया। इससे पहले के भूकंप में क्षतिग्रस्त तीन इमारतें ढह गईं। हालांकि गनीमत है कि इस हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। भूकंप का केंद्र सिंदिरगी शहर था। यह रात 10.48 बजे 6 किलोमीटर गहराई पर आया। इसके बाद कई झटके महसूस किए गए। इस्तांबुल, बुरसा, मनीसा और इजमिर में भी जमीन कांपने लगी। सिंदिरगी में तीन खाली इमारतें और एक दो मंजिला दुकान गिर गई। ये पहले से क्षतिग्रस्त थीं। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने यह जानकारी दी। भूकंप से 22 लोग घायल हो गए। बालिकेसिर के गवर्नर इस्माइल उस्ताओग्लू ने बताया कि मौत का कोई मामला नहीं मिला।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS
(Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से बस में लगी आग, दो यात्रियों की मौत, 10 बुरी तरह झुलसे

नई दिल्ली। राजस्थान में मंगलवार की सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। यहां जयपुर ग्रामीण क्षेत्र के मनोहरपुर के पास मजदूरों से भरी एक यात्री बस हाईटेंशन बिजली के तार की चपेट में आ गई। इस दौरान करंट बस में दौड़ गया जिससे पूरी बस में आग लग गई। बस में आग लगने से करीब 10 मजदूर बुरी तरीके से झुलस गये, जिसमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं पांच की हालात बेहद नाजुक है जिन्हें जयपुर रेफर किया गया है।

भेजे गए हथियार बरामद बदमाशों से कुल 8 पिस्टल जब्त

जालंधर। पंजाब की जालंधर पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी पर कड़ा प्रहार किया है। पुलिस ने जग्गू भगवानपुरिया गिरोह के तीन बदमाशों से 6 और पिस्तौल (.32 बोर) बरामद की हैं। इससे इस मामले में कुल बरामद पिस्तौलों की संख्या 8 हो गई है। इससे पहले दो पिस्तौल पहले ही जब्त की जा चुकी थीं। पुलिस ने यह जानकारी मंगलवार को अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। पंजाब पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनकरण सिंह देओल, सिमरनजीत सिंह और जयवीर सिंह के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये तीनों गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया के निकट सहयोगी हैं। इन्हें पिस्टल की खेप मध्य प्रदेश से मिली थी। पुलिस का मानना है कि ये आरोपी पंजाब के विभिन्न आपराधिक गिरोहों को हथियार सप्लाई करने का काम कर रहे थे।

विस्फोटक का उपयोग कर जंगली सुअर को मारा, 5 ग्रामीण चढ़े वन विभाग के हत्थे

कोरबा । कोरबा वनमंडल अंतर्गत करतला रेंज के संडैल में वन विभाग की टीम ने बारूद लगाकर जंगली सूअर का शिकार करने के आरोप में 5 कथित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो फरार आरोपियों की तलाश करना बताया जा रहा हैं । कथित आरोपी सूअर मारने के बाद करीब डेढ़ किलो मांस रखे हुए और बाकी मांस फरार आरोपी ले गए।

जानकारी के अनुसार जंगली सूअरों का शिकार करने कथित आरोपी करंट लगाते थे। वन ले विभाग के अनुसार खेतों में अभी धान की फसल लगी हुई है। धान खाने के लिए ही जंगली सूअर सहित अन्य वन्य प्राणी खेतों के आसपास पहुंचते हैं। बताया जा रहा हैं की ग्राम सैंडल निवासी ने जंगली सूअर को मारने के लिए बारूद लगा दिया था। इसकी चपेट में एक सूअर आया और उसके चिथड़े उड़? गए, सुचना पर करतला रेंजर के साथ वन विभाग की टीम गांव पहुंची। जांच के दौरान ग्रामीण के घर से जंगली सूअर का का मांस बरामद हुआ।

वारदात में शामिल होने पर 5 कथित आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में ग्राम बुंदेली निवासी एक आरोपी फरार है। उसने बारूद लगाने में मदद की थी। आरोपियों ने कबूल किया है कि करंट लगा जंगली जानवरों का शिकार करते हैं। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। रेंजर श्री राठिया के अनुसार आरोपी बारूद को खाने की चीजों में मिलाकर रख देते थे। कोई जानवर जैसे ही उसे खाता बारूद फट पड़ता है। इससे मौके पर ही जानवरों की मौत हो जाती है।

3500 में खरीदा बारूद

कथित आरोपी ने बताया बारूद 3500 रुपए में खरीदा गया था। इस बारूद उपयोग पत्थर खदानों में होता है। कोयला खदानों में भी इसी बारूद का उपयोग किया जाता है।

11 केवी लाइन से शिकार

जंगल के बीच से गुजरी 11केवी लाइन में तार खींचकर जंगली जानवरों का शिकार किया जाता है। इसकी वजह से गांव में बिजली बंद हो जाती थी। इससे ग्रामीण भी परेशान हैं। इस क्षेत्र में जंगली जानवरों के शिकार के मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

कोरबा सीईओ ने पहन्दा रीपा में स्थापित रेडी टू ईट यूनिट को शीघ्र प्रारंभ करने के दिए निर्देश

कोरबा । कोरबा जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग ने ग्राम पंचायत पहन्दा और चिर्रा स्थित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पहन्दा रीपा में स्थापित रेडी टू ईट यूनिट का अवलोकन कर यूनिट को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

सीईओ श्री नाग ने कहा कि रीपा के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्रदान किए जाएँ, ताकि आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। उन्होंने चिर्रा रीपा में बंद पड़ी मशीनों को पुनः चालू करने हेतु संबंधित वेंडर्स को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान सीईओ ने चंद्रमुखी महिला स्व-सहायता समूह चिर्रा के द्वारा संचालित फ्लाई ऐश ब्रिक्स निर्माण कार्य की सराहना की और समूह की महिलाओं के उत्साहवर्धन हेतु उनकी मेहनत और गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में अनुकरणीय उदाहरण हैं। इस अवसर पर जनपद पंचायत कोरबा के सीईओ खगेश निर्मलकर, जिला परियोजना प्रबंधक चिराग ठक्कर सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसईसीएल कर्मचारी से वसूली, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले के दीपका थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक एसईसीएल कर्मचारी से नौकरी से निकालने की धमकी देकर आठ लाख रुपये की वसूली की गई। पुलिस ने शिकायत के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को बिलासपुर से गिरफ्तार कर लिया है।

घटना के अनुसार, दीपका निवासी एसईसीएल कर्मचारी दीनदयाल के संपर्क में बिलासपुर निवासी प्रवीण झा (36) आया था। आरोपी ने खुद को ऊंची पहुंच वाला व्यक्ति बताकर दीनदयाल को धमकाया कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी तो वह उसकी नौकरी छुड़वा देगा। इस भय के कारण दीनदयाल ने आरोपी को अलग-अलग किश्तों में कुल आठ लाख रुपये दे दिए। इसके अलावा आरोपी ने उससे ढाई लाख रुपये का एक चेक भी लिया था।

लगातार ह रही धमकियों और पैसों की मांग से परेशान होकर दीनदयाल ने यह बात अपने रिश्तेदारों और दोस्तों को बताई। परिजनों की सलाह पर उसने दीपका थाना जाकर पूरी घटना की शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद दीपका पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी प्रवीण झा को बिलासपुर से गिरफ्तार कर दीपका लाया। बताया जा रहा है कि गिरफ्तारी के बाद पुलिस अधिकारियों पर कई प्रभावशाली लोगों के फोन आने लगे और कार्रवाई रोकने का दबाव बनाया गया, लेकिन पुलिस ने किसी भी दबाव में आए बिना जांच जारी रखी।

दीपका थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने बताया कि आरोपी प्रवीण झा के खिलाफ अपराध क्रमांक 371/25 धारा 308 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

बनवारी भैरया के पगड़ी रस्म कार्यक्रम में शामिल हुये मुख्यमंत्री साय

पगड़ी रस्म में उमड़ा जनसैलाब मुख्यमंत्री समेत कई दिग्गज नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष श्रद्धेय स्व. बनवारी लाल अग्रवाल के निधन पश्चात आयोजित बारहवीं एवं पगड़ी रस्म कार्यक्रम में आज प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्व. श्री अग्रवाल के महान व्यक्तित्व, संगठनात्मक क्षमता एवं जनसेवा के समर्पित जीवन को याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल सहित प्रदेश के कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। स्व. अग्रवाल का निधन 15 अक्टूबर 2025 को हुआ था। वे वर्षों तक जनसेवा, संगठन और समाज के विकास के प्रति समर्पित रहे तथा भाजपा संगठन के मुख्य मार्गदर्शक के रूप में उन्हें विशेष सम्मान हासिल था।

पगड़ी रस्म में पहुंचे विधायक व वरिष्ठ भाजपा नेता धरमलाल कौशिक, भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती हर्षिता पांडेय, प्रदेश मंत्री सुश्री रितु चौरसिया, जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू, विधायक प्रेमचंद पटेल, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, निवर्तमान जिलाध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह तथा महामंत्री युवा मोर्चा नरेंद्र देवांगन सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिलेभर से आये भाजपा कार्यकर्ता, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिगण व नागरिकों की भारी उपस्थिति ने स्व. बनवारी लाल अग्रवाल के प्रति अपार सम्मान व स्नेह का संदेश दिया। पगड़ी रस्म के दौरान वातावरण भावुक हो उठा और सभी ने उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। स्व. अग्रवाल का जीवन समर्पण, सादगी, संगठन और सेवा का अद्भुत उदाहरण रहा। क्षेत्र में उनके योगदान को लंबे समय तक श्रद्धा एवं सम्मान के साथ याद किया जाता रहेगा।

विश्व साइकिल दिवस पर कुसमुंडा क्षेत्र में निकली रैली

कोरबा। विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर सोमवार को स्श्वष्टरु कुसमुंडा क्षेत्र द्वारा फिट इंडिया अभियान के तहत साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कुसमुंडा के आदर्श नगर स्थित इंदिरा स्टेडियम परिसर से प्रारंभ हुआ। रैली का शुभारंभ क्रमिक प्रबंधक वीरेंद्र कुमार की अगुवाई में किया गया, जबकि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्राचार्य द्वारा हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया गया।रैली में केंद्रीय विद्यालय और डीएवी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्कूल परिसर से लेकर निर्धारित मार्ग तक साइकिल चलाते हुए न केवल अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और फिटनेस के प्रति जनजागरूकता का संदेश भी दिया। क्रद्यमिक प्रबंधक वीरेंद्र कुमार ने इस अवसर पर कहा कि साइकिल चलाना एक स्वस्थ जीवनशैली का प्रतीक है। इससे शरीर सक्रिय और तंदुरुस्त रहता है तथा प्रदूषण में भी कमी आती है। उन्होंने कहा कि साइकिल रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने फिट इंडिया, ग्रीन इंडिया और साइकिल चलाओ - प्रदूषण हटाओ जैसे नारों के माध्यम से समाज में संदेश दिया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालयों के शिक्षकों, स्श्वष्टरु अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किशोरी पर गुटका खाकर थुका,बढ़ा आक्रोश

गेवरा-दीपका। दीपका क्षेत्र के कॉलोनी में रहने वाले लोग बाइक सवार मनचलों की हरकत से परेशान है। आए दिन मॉडिफाई साइलेंसर लगाकर आवाज निकालते हुए तेजरफ्तार में वाहन चलाने, स्टंटबाजी व गुटका खाकर किसी के ऊपर थूक देना ऐसे मनचलों की आदत बन गई है। शनिवार की रात लगभग 9 बजे प्रगतिनगर कॉलोनी में ऐसे ही एक घटना हुई जहां एक किशोरी अपने घर के सामने स्कूटी पर बैठी थी।

गायत्री महायज्ञ में पहुंचे नरेन्द्र

कोरबा। जेलगाँव चौक स्थित प्रांगण में चल रहे पाँच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण कथा के तृतीय दिवस के पावन अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री एवं पार्षद नरेंद्र देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

श्री देवांगन ने माँ गायत्री मैया, गायत्री परिवार के संस्थापक पू'य गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं पू'य माताजी पं. श्रीमती भगवती देवी शर्मा जी के चित्रों के समक्ष पूजा-अर्चना कर समाज में धर्म, संस्कार और सद्भावना के प्रसार की मंगल कामना की।उन्होंने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और संस्कारों की जागृति होती है। गायत्री परिवार द्वारा संचालित यह अभियान मानवता और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की दिशा में अनुकरणीय है।कार्यक्रम में पू'य संतजन एवं यज्ञाचार्यगणों द्वारा वेद, पुराण, धर्म, कर्म और जीवन मूल्यों पर दिए गए प्रवचनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आत्मिक शांति और प्रेरणा से भर दिया।इस अवसर पर मुख्य रूप में उपस्थित थे —

जिला खनिज न्यास सदस्य एवं पार्षद मुकुंद सिंह कंवर , भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र साहू , भाजपा नेता श कृष्णा द्विवेदी , आशीष द्विवेदी, श्याम ध्रुव , श्रीमती अमृता निषाद , पार्षद जी की धर्मपत्नी श्रीमती सीता पटेल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं भक्तजन।

छठ महापर्व पर राताखार में महापौर संजूदेवी के यहां प्रसाद ग्रहण पहुंचे श्रद्धालु के

कोरबा । छठ महापर्व के दूसरे दिन जिले भर में पूर्वांचल वासियों ने घर में खरना का प्रसाद बनाया लोगों को खिलाया गया। वैसे तो हर साल सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक चंद्रमा सिंह राजपूत के घर छठ पर्व की दमक रहती है, लेकिन इस बार चंद्रमा सिंह राजपूत की धर्मपत्नी एवं भाजपा नेत्री श्रीमती संजूदेवी राजपूत के महापौर बनने के बाद इस बार उनके निवास स्थान पर खरना की दमक दिखाई दी।

भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय सिंह, पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर, महापौर निवास पहुंचे और खरना का प्रसाद ग्रहण किया। इनके अलावा जिले भर से कई दिग्गज और पूर्वांचल वासी महापौर निवास पहुंच कर खरना का प्रसाद ग्रहण किया और छठी मैय्या की कृपापात्र बने।

पुलिस निरीक्षक से सेवानिवृत्त चंद्रमा सिंह राजपूत, महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने उनके निवास स्थान पहुंचे पवन साय, ननकीराम कंवर, गोपाल मोदी, डॉ. राजीव सिंह, जोगेश लाम्बा, नवीन पटेल सहित

दिग्गजों, पूर्वांचल वासियों, स्वजनों, परिजनों का पारंपरिक ढंग से तिलक लगाकर स्वागत किया। रतनपुर पुलिस निरीक्षक संजय सिंह, विजय सिंह ने भी मेहमानों का स्वागत किया। खरना में बनी खीर सहित अन्य प्रसाद ग्रहण कर सैकड़ों लोग तृप्त हुए। महापौर ने सभी को छठ की बधाई दी। पवन साय ने परिवार के सभी सदस्यों से मिले और छठ की बधाई दी।

उगते सूर्य को दिया अर्घ्य, गेवरा दीपका में मिला आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम

गेवरा-दीपका । आस्था के महापर्व छठ पर्व पर आज प्रातः उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने अपनी मनोकामना पूर्ण करने की कामना की। प्रगति नगर स्थित देव सरोवर छठ तालाब में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। व्रती महिलाओं ने मंत्रोच्चार के साथ सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित कर विधिवत पूजन-अर्चन किया।

अर्घ्य के बाद प्रगति नगर आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालु भक्त जनों को फल, प्रसाद और ठेकुआ का वितरण किया गया। भक्तों की भीड़ और भक्ति संगीत से पूरा वातावरण आस्था से सराबोर रहा।

वहीं ऊर्जा नगर गेवरा के बड़े शिव मंदिर तालाब में भी भानु सिंह एवं उनकी आयोजन समिति टीम ने छठ पर्व की भव्य तैयारियां पहले से कर ली थीं। सुबह 4:30 बजे से ही बड़ी संख्या में व्रती महिलाएं अपने परिवार के साथ पहुंच गई थीं। पूर्वांचल के पारंपरिक गीतों की मधुर धुनों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।सूर्य उपासना के इस महापर्व ने गेवरा-दीपका बड़ी श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया गया ।

इसमें अवसर पर सुरक्षा एवं अनुशासन के लिए पुलिस बल भी उपस्थित थी।

जुआ खेलते 6 पटवारी पकड़ाए

कोरबा। कोरबा जिले में उस वक्त हड़कंप मच गया जब कोरबा के हरदीबाजार तहसील में पदस्थ पटवारी का नाम जुआ फड़ में पुलिस की कार्यवाही में सामने आया। जानकारी के अनुसार जांजगीर के रमन नगर स्थित एक मकान में चल रहे जुआ फड़ पर सिटी कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 6 पटवारी सहित कुल 8 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। पकड़े गए लोगो में पटवारी संघ के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष भी शामिल हैं। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रमन नगर स्थित घर में जुआ चल रहा है। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस ने दबिश दी और सभी जुआरियों को मौके पर ही पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान अफरा-तफरी और भगदड़ का माहौल बन गया। छापेमारी के दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे राजस्व विभाग और पटवारी संघ में भारी हड़कंप मच गया। सूत्रों के अनुसार, विभागीय जांच की तैयारी शुरू कर दी गई है और वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सख्त रुख अपनाने की संभावना है।

भादा में एनएसएस कैंप, ग्रामीणों की समस्या जानी

कोरबा । केएन कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवकों का गोद ग्राम भादा में कैंप आयोजित किया गया। कैंप में शामिल स्वयं सेवकों ने ग्रामीणों से चर्चा कर वहां की जरूरतों पर फोकस किया। साथ ही ग्रामीणों को स्वमेव ही अपनी समस्या का समाधान करने व दूसरों को भी प्रेरित करने के लिए जागरुक किया। कार्यक्रम का नेतृत्व रासेयो के जिला संगठक वायके तिवारी ने किया।

रामपुर क्षेत्र के किसानों की मांग पर विधायक राठिया ने बांध निर्माण की पहल करने दिया भरोसा

कोरबा। रामपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मदनपुर पंचायत के ग्रामीणों ने क्षेत्र में सिंचाई सुविधा की कमी को लेकर कटंगनाला में बांध निर्माण की मांग की है। इस संबंध में ग्रामीणों ने सोमवार को विधायक फूल सिंह राठिया से मुलाकात की और अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों की मांग को गंभीरता से लेते हुए विधायक राठिया स्वयं उनके साथ पांच किलोमीटर पैदल चलकर प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण करने पहुंचे।

ग्रामीणों ने बताया कि कटंगनाला पर बांध बनने से लगभग 1600 एकड़ कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। वर्तमान में इस क्षेत्र के करीब 200 किसान पूरी तरह से मानसूनी बारिश पर निर्भर हैं। बारिश कम होने या समय पर न होने की स्थिति में फसलों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है। बांध बनने से यहां के किसानों को सालभर सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सकेगा और क्षेत्र की कृषि व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।स्थल निरीक्षण के दौरान विधायक फूल सिंह राठिया ने ग्रामीणों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और भरोसा दिलाया कि वे इस प्रस्ताव को प्रशासन के समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि कटंगनाला में बांध निर्माण से न केवल किसानों को फायदा होगा, बल्कि आसपास के गांवों के जलस्तर में भी सुधार आएगा। विधायक ने आश्वासन दिया कि बांध निर्माण के लिए आवश्यक सर्वे एवं तकनीकी जांच की प्रक्रिया शुरू करने का प्रयास किया जाएगा।ग्रामीणों ने विधायक की तत्परता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए कहा कि यह पहली बार है जब कोई जनप्रतिनिधि स्वयं स्थल तक पैदल पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने आया है। उनका कहना है कि यदि बांध बन जाता है तो क्षेत्र की कृषि व्यवस्था में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, किसान प्रतिनिधि और पंचायत के पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में कटंगनाला बांध निर्माण की मांग को दोहराते हुए शीघ्र कार्यवाही की अपेक्षा जताई।

रोहित बनें पाली के एसडीएम

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिले में एसडीएम स्तर पर तबादले किए हैं। जिला कार्यालय में पदस्थ रोहित कुमार सिंह को पाली का एसडीएम नियुक्त किया गया है। वहीं संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार बंजारे को पोड़ी-उपरोड़ा का एसडीएम बनाया गया है। पोड़ी-उपरोड़ा में पदस्थ एसडीएम को जिला कार्यालय में पदस्थ किया गया है।

बताया जा रहा है कि टी.आर. भारद्वाज की कोरबा मुख्यालय में वापसी हुई है, जिन्हें महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा जा सकता है। प्रशासनिक हलकों में इस फेरबदल को नियमित कार्य व्यवस्था के तहत उठाया गया कदम माना जा रहा है।

बालको क्षेत्र में 400 आवासों को ध्वस्त करने की तैयारी

कोरबा। जिले के बालकोनगर क्षेत्र में 400 से अधिक आवासों को ध्वस्त करने का नोटिस जारी होने से स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया है। भाजपा मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को कोरबा प्रवास पर पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुलाकात कर इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया। उन्होंने बालको प्रबंधन पर सरकारी नियमों की अवहेलना कर अपनी मनमानी थोपने और यहां की जमीन हड़पने का प्रयास करने का आरोप लगाया।मुख्यमंत्री के समक्ष सौंपी गई ज्ञापन में बालकोनगर के निवासियों की चिंताओं को विस्तार से रखा गया। भाजपा नेताओं ने बताया कि बालको प्रबंधन ने बिना किसी ठोस आधार के 400 आवासों को तोड़ने का नोटिस जारी कर दिया है, जो सीधे तौर पर निवासियों की आजीविका पर चोट पहुंचा रहा है।यह न केवल कर्मचारी विरोधी कदम है, बल्कि स्थानीय समुदाय की जमीन पर कब्जा करने की साजिश भी है, ज्ञापन में कहा गया।

एसईसीएल में शुरू हुआ सर्तकता जागरूकता सप्ताह,चेयरमेन ने किया

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 का शुभारंभ कोल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन पी. एम. प्रसाद के करकमलों से हुआ। यह कार्यक्रम एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। इस वर्ष 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025 के बीच सतर्कताः हमारी साझा ज़िम्मेदारी की थीम पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जाएगा, जिसका समापन 3 नवंबर 2025 को होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। तत्पश्चात कोल इंडिया कॉर्पोरेट गीत बजाया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कोल

इंडिया चेयरमैन पीएम प्रसाद के साथ हरीश दुहन, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एसईसीएल, कार्यकारी निदेशक (समन्वय), कोल इंडिया आलोक ललित कुमार, निदेशक (तकनीकी/संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (तकनीकी/योजना परियोजना) रमेश चन्द्र महापात्र एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, संचालन समिति सदस्य, संचालन क्षेत्रों के महाप्रबंधक, मुख्यालय के विभागाध्यक्ष, श्रमसंघ प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में पी. एम. प्रसाद ने कहा कि सतर्कता को केवल एक सप्ताह तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी कार्यशैली और जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, जहां भी रहें, जो भी कार्य करें — हमें निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। सतर्कता केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति का अभिन्न अंग होनी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान सत्यनिष्ठा शपथ का सामूहिक वाचन किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने की शपथ ली।

विदित हो कि एसईसीएल में 18 अगस्त से 17 नवंबर 2025 तक तीन माह का निवारक सतर्कता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत एसईसीएल कर्मियों, स्कूली एवं कॉलेज विद्यार्थियों के लिए वाद-विवाद, निबंध लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता आदि विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए नियमित प्रशिक्षण सत्र, ग्राम सभाएँ, पौधरोपण कार्यक्रम, और जन-जागरूकता रैलियाँ आयोजित की जा रही हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य भ्रष्टाचार के विरुद्ध व्यापक जन-जागरूकता फैलाना और संगठन में पारदर्शिता एवं निष्ठा की संस्कृति को सशक्त बनाना है।

संस्कृति की झलक दिखी छठ पूजा पर

जांजगीर चांपा। नगर एवं क्षेत्र में सूर्य आराधना के महापर्व सूर्यषष्ठी के तीसरे दिन सोमवार 27 अक्टूबर को लछनपुर स्थित छठघाट के अलावा डोंगाघाट एवं रामबांधा तालाब सहित अनेक स्थानों पर छठव्रतियों ने शाम करीब 5.15 बजे अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। मंगलवार 28 अक्टूबर को सुबह छठव्रतियों द्वारा उदित होते सूर्य को अंतिम अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन हुआ।

नगर एवं क्षेत्र में वर्ष 2009 से छठ महापर्व मनाया जाना शुरु किया गया। भोजपुरी समाज की जिला इकाई के तत्वाधान में प्रारम्भ हुआ छठ महापर्व आज सभी समाज की महिलाओं द्वारा धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस वर्ष छठ महापर्व की शुरुआत शनिवार 25 अक्टूबर से नहाय खाय से हुई। चार दिवसीय छठ महापर्व के दूसरे दिन छठव्रतियों द्वारा खरना का व्रत रखा गया। छठ महापर्व विशेष रुप से उत्तरप्रदेश एवं बिहार के पूर्वांचलवासियों यानि भोजपुरी समाज द्वारा प्रमुख रुप से मनाया जाता है। इस चार दिवसीय पर्व का समाज द्वारा शुद्धता से पालन किया जाता है। विशेष रुप से इस समाज की महिलाओं द्वारा बिना अन्न जल ग्रहण किये व्रत रखा जाता है। चार दिवसीय महापर्व के तीसरे दिन सोमवार 27 अक्टूबर को शाम करीब 5.15 बजे छठव्रतियों ने ड़ोंगाघाट सहित लछनपुर स्थित छठघाट के अलावा रामबांधा तालाब पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। मंगलवार 28 अक्टूबर को सुबह इन्हीं स्थानों पर छठव्रती उदित होते सूर्य को अंतिम अर्घ्य दिया। जिसके साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का समापन किया। भोजपुरी समाज की जिला इकाई के संस्थापक जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह के अलावा जिलाध्यक्ष सुशील सिंह सहित भोजपुरी समाज के लोग विशेष रुप से महिलाएं बड़ी संख्या में अस्तचलगामी सूर्य को अर्घ्य देने छठ घाट व डोंगाघाट में मौजूद थीं।

शिक्षा के नाम पर दीप किए गए प्रज्जवलित

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव के आह्वान पर एवं जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर चांपा ए के सिन्हा के निर्देश पर दीपावली के शुभ अवसर में शासकीय कन्या पूर्व माध्यमिक शाला सिवनी,विकास खंड बलौदा जिला जांजगीर चांपा के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विभाग के बालिकाओं के साथ एक दिया शिक्षा के नाम विष्णु का दिया के नाम से दीपक स्कूल परिसर में जलाया गया।इस अवसर पर शिक्षक अशोक तिवारी ने उपस्थित बच्चों कोशिक्षा मंत्री के संदेश को सुनाया तथा कहा कि यह स्कूल पवित्र ज्ञान का मंदिर है जहां आज हमने दीपावली के अवसर पर एक एक दीपक जलाकर मां लक्ष्मी,गणेश,और सरस्वती से प्रार्थना करते हैं कि वे यहां पढ़ने वाले सभी बच्चों को विद्या,धन और बुद्धि प्रदान करे।आगे उन्होंने दिवाली त्यौहार मनाने के ऐतिहासिक और धार्मिक कारणों को बताया।उन्होंने कहा कि बरसात के बाद सभी घरों की साफ सफाई,रंगाई पुताई करने से एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और फिर अमावस्या को दीपक की रोशनी से पूरा वातावरण प्रकाशित हो जाता है जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने बताया कि यह पर्व शांति, एकता, सद्भावना और प्रेम का पर्व है।इस अवसर पर उपस्थित बालिकाओं ने एक एक दीप

जलाकर प्रांगण को सजाए ।प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विभाग के स्वीपर संतोषी और रत्ना राठौर भी उपस्थित रहीं।इसी प्रकार बालपुर के पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक केशव अंचल के नेतृत्व में वहां के बच्चों ने भी एक दीपक शिक्षा के नाम जलाया।अंत में शिक्षक अशोक तिवारी ने विष्णु के दिया को ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बताते हुए स्कूल खुलने पर सभी उपस्थित बच्चों को पुरस्कृत करने का वादा किया।

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव बनाए गए रोहित डहरिया

पामगढ़ । बहुजन समाज पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश इकाई के मुख्य प्रभारी डॉ. अशोक सिद्धार्थ (केंद्रीय को ऑर्डिनेटर व पूर्व राज्य सभा सांसद बसपा) डॉ सुरेन्द्र सिंह कलोरिया (केंद्रीय को ऑर्डिनेटर बसपा छत्तीसगढ़) के निर्देश पर श्याम टंडन प्रदेश अध्यक्ष बसपा छत्तीसगढ़ के सहमति से डॉ. रोहित डहरिया को प्रदेश महासचिव बसपा छत्तीसगढ़ का जिम्मेदारी सौंपा गया हैं। इसके पूर्व डॉ. डहरिया जांगजीर-चांपा जिले के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके हैं, साथ ही पूर्व में जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के उपाध्यक्ष व निवर्तमान लोकसभा चुनाव में बसपा के प्रत्याशी के रूप में मैदान में रहे हैं। महासचिव बनाए जाने पर दाऊराम रत्नाकर (पूर्व विधायक व स्टेट कोऑर्डिनेटर बसपा छत्तीसगढ़, लता गेडाम स्टेट कोऑर्डिनेटर बसपा छत्तीसगढ़ हेमंत पोयाम स्टेट कोऑर्डिनेटर बसपा छत्तीसगढ़, देवलाल सोनवंशी प्रदेश उपाध्यक्ष बसपा छत्तीसगढ़ ओपी बाचपेयी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बसपा छत्तीसगढ़, केडी टंडन जोन इंचार्ज बसपा उपस्थित रहे। इसके लिए पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने रोहित डहरिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। साथ इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए डॉ. रोहित डहरिया ने अपने उच्च पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है।

सरकारी अस्पतालों में मनमानी के कारण परेशान हैं मरीज

जांजगीर-चांपा। जिले में जिला अस्पताल में डॉक्टरों पर अस्पताल प्रबंधन का कोई कंट्रोल नहीं रह गया है। डॉक्टर्स अपनी मनमर्जी से यहां आना-जाना कर रहे हैं और ड्यूटी निभा रहे हैं। ओपीडी में मरीजों की लाइन लगी रहती है, लेकिन अधिकांश दिन डॉक्टर्स ओपीडी कक्ष से गायब रहते है। ऐसा ही नजारा दिवाली की चार दिन छुट्टी के बाद जिला अस्पताल में बुधवार को देखने को मिला। ओपीडी में जहां 8 डॉक्टरों के बैठने का एक चेबर है, वहां दोपहर 12 बजे के करीब एक भी डॉक्टर्स मौजूद नहीं थे। वहीं बाकी कक्षों का भी यही हाल थी। चार से पांच डॉक्टरों को छोड़कर बाकी अन्य डॉक्टर नदारद थे। इधर मरीजों की बेदम भीड़ लगी थी। कुछ डॉक्टर छुट्टी पर रहे, लेकिन मरीजों को बताना वाला भी कोई नहीं था।

नदी संरक्षण के लिए कोशिश शुरू की गीता ने

जांजगीर। सिंचाई कॉलोनी में पढ़ी बढ़ी एक समाजसेविका जल संरक्षण की मिसाल बन चुकी हैं। नाम है गीता सिंह। उनका मानना है पानी बचाना सिर्फ जिम्मेदारी नहीं, हमारी संस्कृति का संस्कार है।

वे पिछले पांच साल से नमामि गंगे अभियान और अपनी संस्था सच्चिदानंद शिक्षा एवं समाज कल्याण संस्थान के जरिए छत्तीसगढ़, बिहार, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सैकड़ों लोगों को जोड़ चुकी हैं। उनकी मुहिम सिर्फ नदियों को साफ करने तक सीमित नहीं, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम है। गीता बताती हैं, उन्होंने शुरुआत हसदेव और अरपा नदी से की थी। वहां जाकर लोगों को जल संरक्षण का महत्व समझाया, सफाई की और जल शपथ दिलाई कि हम अपने जलस्रोतों को गंदा नहीं करेंगे। उनकी टीम ने कई इलाकों में लोगों को जागरूक किया, खासकर उन जगहों पर जहां प्रदूषण ने नदी का पानी काला कर दिया था। उन्होंने हथनेवरा, पीथमपुर और सोठी आश्रम में लोगों से मिलकर जल संरक्षण का संदेश दिया। वो केराझरिया चांपा, भीमा

तालाब जांजगीर, कोटाडबरी चांपा में लोगों को नदी को साफ रखने का संदेश पहुंचा चुकी है। गीता सिंह कहती ने बताया कि मैं चाहती हूं महिलाएं सिर्फ घर तक सीमित न रहें, समाज और अर्थव्यवस्था में उनकी भूमिका बढ़े।

उन्होंने गांव की महिलाओं के समूह भी बनाए, जो आर्टिफिशियल ज्वेलरी, दीए और घरेलू उत्पाद बनाती हैं। राजविंदर हॉल में उनकी बनाई चीजों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। जो बनाती हैं, हम उसे बाजार तक पहुंचाते हैं। शुरुआत में गीता के साथ सिर्फ 20-25 सदस्य थे। अब टीम में छत्तीसगढ़ के हर जिले में सदस्य हैं। इसके अलाव बिहार और यूपी से भी लोग जुड़ चुके हैं। धीरे-धीरे यह कारवां बढ़ते-बढ़ते ढाई से तीन सौ सदस्यों तक पहुंच गया है। हमारा उद्देश्य है कि हर सदस्य अपनी जगह पर नदी, तालाब, और जलाशयों को बचाने के लिए सक्रिय रहे। गीता नमामि गंगे प्रोजेक्ट से भी जुड़ी हैं, जो जलशक्ति मंत्रालय की पहल है।

वे कहती हैं, नमामि गंगे का नेटवर्क बहुत बड़ा है। इससे जुड़ने के बाद हमें कई राज्यों में लोगों को प्रेरित करने का मौका मिला। वे बिहार के गया, पटना और मुजफ्फरपुर में भी नदी सफाई और जनजागरूकता अभियान चला चुकी हैं। गया में पुन नदी की सफाई के दौरान उनसे कई लोग जुड़े। महिलाओं ने गोबर के दीए और आम का अचार बनाकर बेचना भी शुरू किया। इससे उन्हें आत्मनिर्भरता मिली। कोविड के बाद गीता ने महसूस किया कि व्यक्तिगत प्रयास से बढ़कर संगठन की ताकत होती है। उन्होंने 2020-21 में सच्चिदानंद शिक्षा एवं समाज कल्याण संस्थान की स्थापना की। आज संस्था जल, शिक्षा और महिला सेवा तीनों क्षेत्रों में सक्रिय है।

पकरिया में अवैध शराब के अड्डो पर महिलाओं ने दिखाया गुस्सा

जांजगीर। जिले के पकरिया झूलन गांव में अवैध शराब के खिलाफ महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों ने मिलकर मोर्चा खोल दिया। रविवार को ग्रामीणों ने बड़ी मात्रा में पकड़ी गई महुआ शराब को नहर में बहाकर शराबबंदी का सशक्त संदेश दिया। गांव की महिलाओं ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री से सामाजिक माहौल पर बुरा असर पड़ रहा था। लगातार विरोध के बावजूद कुछ लोग चोरी-छिपे शराब का कारोबार कर रहे थे। इससे परेशान होकर महिलाओं ने पंचायत प्रतिनिधियों के साथ मिलकर स्वयं कार्रवाई करने का निर्णय लिया। कार्यवाही के दौरान ग्रामीणों ने दर्जनों लीटर महुआ शराब जब्त की और सामूहिक रूप से उसे नहर में बहा दिया। इस दौरान अवैध शराब बंद करो के नारे गूंजते रहे।ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने कहा कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। प्रशासन से भी मांग की गई है कि अवैध शराब के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए ताकि गांव में शांति और स्वस्थ वातावरण बना रहे।

पुलिस आरक्षक पद पर नौकरी लगाने 11 लाख लिए

रायगढ़। रायगढ़ में पुलिस आरक्षक के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर युवक के साथ 11.30 लाख की धोखाधड़ी की गई है। दिव्यांग कोटा से जॉब लगाने की बात कहकर अलग-अलग किस्तों में 11 लाख 30 हजार रुपए ऐंठ लिए गए। पुलिस ने 2 आरोपी को गिरफ्तार किया है। जबकि बाकी 6 आरोपी फरार हैं।

मामला चक्रधर नगर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, पीड़ित युवक का नाम राहुल है। जो कि अलेन किंडो (60) का भतीजा है। इस वारदात को डिग्री कॉलेज के हिंदी के प्रोफेसर और कम्प्यूटर ऑपरेटर समेत 8 लोगों ने अंजाम दिया है। नौकरी नहीं लगने के बाद युवक की बुआ की रिपोर्ट पर पुलिस ने हिंदी प्रोफेसर उत्तरा सिदार और कंप्यूटर ऑपरेटर संजू यादव को गिरफ्तार किया है।

कमिशन में बढ़ोतरी को लेकर एलपीजी डीलर ने ज्ञापन सौंपा

जांजगीर-चांपा। एलपीजी डीलर एसोसिएशन (इंडिया) के तत्वाधान में जांजगीर चांपा जिले के समस्त एलपीजी वितरणगण आज अपनी एक सूत्रीय मांग, जो की डीलर कमीशन में वृद्धि को लेकर है, इस हेतु जिले के कलेक्टर जनमेजय महोबे से मुलाकात किए और अपनी मांग को लेकर बहुत ही सौहाद्रपूर्ण वातावरण में बातचीत किए श्रीमान कलेक्टर महोदय ने जिले के सभी एलपीजी वितरक गणों को आश्वस्त किया है कि उनके द्वारा दिए गए ज्ञापन को केंद्र शासन के पेट्रोलियम सचिव महोदय तक पहुंचाएंगे ताकि उनकी आवाज पर मंत्रालय सहानुभूति पूर्वक विचार करके निर्णय लेकर एलपीजी वितरकों को राहत पहुंचाने की दिशा में कार्यवाही सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ें । आज के ज्ञापन कार्यक्रम में जिले के सभी 13 इंडेन वितरक, चार एचपी गैस के वितरक एवं दो भारत गैस के वितरक शामिल थे । आज सभी एजेंसी में पूर्व के नियोजित कार्यक्रम के अनुसार अपने-अपने बांह में काली पट्टी बांधकर अपनी-अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है और आगे भी काली पट्टी बांधकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जब तक कि वितरकों की मांग पूरी नहीं हो जाती

शिवराम कॉलोनी को रहने के लिए खूब पसंद कर रहे हैं लोग

सस्ते दर एवं अच्छे लोकेशन में होने से मकान खरीदने पूंजी लगा रही जनता

जांजगीर-चांपा। आधुनिकता की दौड़ में जहां लोग ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर शहर में निवास करने लगे हैं वहीं पालक अपने बच्चों एवं परिवार के शिक्षा,स्वास्थ्य की चिंता करते हुए जांजगीर नैला को रहने के लिए एक बेहतर स्थान के रूप में चुन रहे हैं,यही कारण है कि शिवराम कॉलोनी में लोग समय के साथ-साथ लगातार मकान खरीदने लगे हैं।

जिला मुख्यालय जांजगीर नैला पहले की तुलना में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी उन्नति करने लगा है जिसको देखकर लोग ग्रामीण क्षेत्र से जांजगीर नैला शहर में बसने लगे हैं इतना ही नहीं बल्कि ग्रामीण क्षेत्र की जनता इस शहर में अपनी हैसियत के हिसाब से मकान, जमीन खरीद कर इन्वेस्ट भी कर रही है ताकि निकट भविष्य में उनका भविष्य सुखद हो सके। वैसे तो जांजगीर एवं चांपा शहर में अनेक बिल्डर कार्य कर रहे हैं किंतु शिवराम कॉलोनाइजर द्वारा निर्मित मकानों को अधिक पसंद किया जाने लगा है । स्थानीय बिल्डर राकेश गुप्ता द्वारा इसके पहले तीन कॉलोनी विकसित किया जा चुका है अब चौथा कॉलोनी शिवराम कॉलोनाइजर एनक्लेव के नाम से मकान बनाया एवं बेचा जा रहा है सच कहा जाए तो इस बिल्डर द्वारा निर्मित भावनाओं की गुणवत्ता अच्छी है।

शहर के प्राइम लोकेशन में कॉलोनी विकसित किए जाने के कारण शिवराम कॉलोनी नजर लोगों को अधिक पसंद आने लगी है क्योंकि इसकी दूरी रेलवे स्टेशन जिला

अस्पताल थाना कचहरी एवं मार्केट आदि की दृष्टि से एकदम उचित है क्योंकि कुछ किलोमीटर दूरी पर ही सारी सुविधाएं यहां के रहने वाले लोगों को मिल जाता है। जांजगीर नेताजी चौक से बनारी रोड पर विकसित यह कॉलोनी सुरक्षा की दृष्टि से भी सबसे उपयुक्त है जहां लोग कम दर पर मकान खरीद कर निवास कर रहे हैं। बिल्डर राकेश गुप्ता द्वारा अन्य तीन कॉलोनी पहले भी साफ सुथरी निर्माण करके बेची जा चुकी है जहां ग्राहकों के साथ किसी प्रकार की कोई ठगी का गुंजाइश नहीं है लेनदेन साफ सुथरा होने के कारण एवं प्राइम लोकेशन में जमीन होने से लोग यहां शिवराम कॉलोनी को रहने के लिए अधिक पसंद कर रहे हैं इन कॉलोनीयों में लाइट पानी बिजली एवं चौकीदार की विशेष व्यवस्था होती है जहां दिन हो या रात कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से परिवार छोड़कर भी रह सकते हैं।

शिवराम कॉलोनाइजर एनक्लेव का नक्शा लोगों को खून आने लगा है अगर कोई भी व्यक्ति पूंजी लगाकर इनवेस्ट करता है तो आगे चलकर भी लागत पूंजी का कई गुना अधिक दाम मिलने की संभावना है क्योंकि यह आवासीय दृष्टि से जिले का सबसे बेहतर कॉलोनी है जहां सभी दृष्टि से सुविधा होने के कारण लोग इसे रहने के लिए पसंद कर रहे हैं।

उज्ज्वला योजना के नए नियम

जांजगीर-चांपा। जिले में उज्जवला योजना के मुफ्त सिलेंडर और चूल्हा पाने का सपना देखने वाले लोगों को नई गाइडलाइन से झटका लग सकता है। शासन ने इस बार नए मापदंड तय कर दिए हैं। इन मापदंडों में खरा उतरने वाले ही परिवार पात्र होंगे और उज्जवला का लाभ ले पाएंगे। अगर परिवार के किसी सदस्य की मासिक आय 10 हजार रुपए से ज्यादा है, ढाई एकड़ तक सिंचित जमीन है, घर में तीन पहिया वाहन भी है तो ऐसे परिवार अपात्र होंगे। इसके अलावा और भी बहुत सारे मापदंड तय किए गए हैं। आवेदकों को नई गाइडलाइन के अनुसार नया आवेदन करने होंगे। नवीन गैस कनेक्शन के लिए जारी मापदंड के तहत परिवार का कोई सदस्य व्यवसायिक कर या आयकर का भुगतान करता हो। घर का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो, सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम वाले परिवार पात्रता के दायरे में नहीं आएंगे। किसान क्रेडिट कार्ड की 50 हजार रुपए से अधिक की क्रेडिट सीमा वाले किसान, सिंचाई उपकरण के साथ 2.5 एकड़ से अधिक सिंचित भूमि के स्वामी, दो या अधिक फसल मौसमों के लिए 5 एकड़ या अधिक सिंचित भूमि के स्वामी ऐसे परिवार जिनके पास पूर्व से ही एलपीजी कनेक्शन हो, अपात्र होंगे।

न्यायालय तहसीलदार दीपका जिला- कोरबा (छ.ग.)

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक छेदूलाल पिता स्व. हिरदेराम जाति कंवर निवासी ग्राम मड़वाढोड़ा तहसील कटघोरा जिला कोरबा के द्वारा ग्राम पड़निया तहसील दीपका में आवेदक के पिता हिरदेराम पिता हीराराम के नाम पर स्थित भूमि ख.नं. 3/2, 34/2, 838/1 रकबा 0.020, 0.057, 0.308 हे. भूमि को एस.ई.सी.एल. कुसमुण्डा परियोजना में अर्जित कर लिया गया है। हिरदेराम पिता हीराराम की मृत्यु दिनांक 19.07.2016 को हो जाने से फौती नामांतरण दर्ज करने बाबत् अनुविभागीय अधिकारी (रा.) कटघोरा के समक्ष प्रस्तुत आवेदन पत्र जांच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

उक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति दावा प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 02.11.2025 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद में प्रस्तुत आपत्ति दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

अतः आज दिनांक 15.10.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
दीपका

सारागांव थाना क्षेत्र में शराब तस्करों का बोलबाला

लखुरी में खुलेआम बिक रही अवैध शराब

जांजगीर चांपा। ब्लॉक मुख्यालय बम्हनीडीह के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत लखुरी में अवैध शराब बिक रही है। गांव के जैतखंभ और राइस मिल के पास रोज शाम को शराबियों का मेला लगता है। ग्रामीणों ने बताया कि कारीभंवर और खरगढ़ही से गेलन में महुआ शराब भरकर बाइक से लाकर खुलेआम बिक्री की जाती है। यह सिलसिला लंबे समय से जारी है और ग्रामीणों का आरोप है की पुलिस को शिकायत देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती है। नतीजा यह है कि गांव में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ता जा रहा है और माहौल बिगड़ता जा रहा है। गांव के युवा पीढ़ी भी अब इन सब को देखकर बिगड़ने के कगार पर है। ग्रामीणों ने थाना सारगांव में कई बार शिकायतें दर्ज कराई हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल कागजी खानापूर्ति हुई अब नए थाना प्रभारी के आने के बाद हालात और भी बिगड़ गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस द्वारा या तो अनदेखी की जा रही है या फिर इन शराब विक्रेताओं को संरक्षण दिया जा रहा है। कई बार पकड़े जा चुके और जेल -जा चुके, शराब विक्रेता फिर से - खुलेआम अपने पुराने धंधे में लग गए हैं। पुलिस की कार्रवाई के अभाव से ग्रामीणों ने बताया कि अब शराब तस्कर मेन रोड लखुरी-लखाली के बीच जमड़ी मोड़ पर बाइक खड़ी कर खुलेआम आने-जाने वालों को शराब बेचते हैं। पुलिस गश्त कई कई दिनों से नहीं हो रही है, इससे इन तस्करों के हौसले और बुलंद हैं। लोगों का कहना है कि रात होते ही यहां शराबियों का जमावड़ा लग जाता है और कई बार झगड़े की स्थिति बन जाती है। सारगांव पुलिस की लापरवाही से क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

दो शासकीय कालेजों के बीच शोध के लिए एमओयू

जांजगीर-चांपा। नवीन कालेज सारागांव और शासकीय टीसीएल पीजी कालेज जांजगीर के बीच उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है।

टीसीएल कालेज के प्राचार्य डा डीआर लहरे और सारागांव कालेज के प्राचार्य प्रो बीके पटेल ने इस एमओयू में हस्ताक्षर किए। इसके अंतर्गत सारागांव कॉलेज के भौतिकी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. अंगेश कुमार चंद्रा टीसीएल कॉलेज के विद्यार्थियों को भौतिकी विषय में पीएचडी हेतु ।मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। डॉ. चंद्रा शहीद नंदकुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ के अंतर्गत अनुमोदित पीएचडी पर्यवेक्षक हैं। यह सहयोग क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शोध और प्रयोगशाला कार्य करने का अवसर देगा। एमओयू का उद्देश्य दोनों संस्थानों के संसाधनों का साझा उपयोग करते हुए संयुक्त अनुसंधान, प्रकाशन और शैक्षणिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। टीसीएल कॉलेज के पास जहाँ आधुनिक प्रयोगशालाएँ और संसाधन उपलब्ध हैं। वहीं सारागांव कॉलेज के पास अनुभवी

और मान्यता प्राप्त विषय विशेषज्ञ हैं। यह समझौता 10 वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा और पारस्परिक सहमति से आगे भी बढ़ाया जा सकेगा। दोनों संस्थान अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग के नए अवसरों की खोज के लिए भी सहमत हुए हैं। टीसीएल कालेज में भौतिकशास्त्र का शोध केंद्र खोलने विश्वविद्यालय को प्रस्ताव शीघ्र भेजा जाएगा। टीसीएल कॉलेज प्राचार्य डा. डीआर लहरे और नवीन कालेज सारागांव के प्राचार्य प्रो बीके पटेल ने कहा कि यह एमओयू कॉलेज के शोध कार्यों को नई दिशा देगा और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के नए अवसर प्राप्त होंगे।

के.बी. यादव का निधन

पामगढ़। नगर पंचायत पामगढ़ के प्रतिष्ठित व्यक्ति, छ.ग. अठोरिया यादव समाज संथापक सदस्य, संरक्षक, भुतपुर्व सैनिक, के.बी. यादव (साधराम यादव) का 87 वर्ष की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार कार्यक्रम गृह निवास नगर पंचायत पामगढ़ के मुक्ति धाम मे सम्पन्न हुआ। वे अपने पीछे चार पुत्र रघुंदन यादव, ब्रजनंदन यादव, सुरेंद्र यादव व संत यादव का भरा पूरा परिवार छोड़ गए।

श्रीमती नीलिमा राठौर का निधन

चांपा। छ.ग. राज्य विद्युत मंडल से सेवानिवृत्त जोइधा प्रसाद साहू की छोटी बहू तथा चंद्रकांत साहू (बबलू) की धर्म पत्नी श्रीमती नीलिमा सठौर का शनिवार 25 अक्टूबर को बिलासपुर स्थित एक निजी चिकित्सालय में निधन हो गया । वे 32 वर्ष की थी। श्रीमती राठौर अपने पीछे पति समेत एक पुत्री का परिवार छोड़ गयी है। उनका अंतिम संस्कार शनिवार को ही पूर्वान्ह 11 बजे हसदेव बेरियर के पास पीआईएल बायपास मार्ग स्थित सार्वजनिक मुक्तिधाम में किया गया, जहां बड़ी संख्या में परिजन, सजातीय बंधुओं सहित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छग)

// ईश्तहार//

क्रमांक/Q/वाचक/2024 बैकुण्ठपुर दिनांक 06 /10 /2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम सलका को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सत्तू पिता/पति सूरज जाति बसोर निवासी सलका तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा राधिका निवासी सलका का जन्म दिनांक दिनांक 01.01.2012 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 21.10.25 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 06.10.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छग)

// ईश्तहार//

क्रमांक/Q/वाचक/2024 बैकुण्ठपुर दिनांक 06 /10 /2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्रामवासी/नगरवासी ग्राम सलका को आम जनता को ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका सत्तू पिता/पति सूरज जाति बसोर निवासी सलका तहसील बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया के द्वारा रॉकी निवासी सलका का जन्म दिनांक दिनांक 12.05.2013 को होने के कारण जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक/आवेदिका द्वारा प्रस्तुत उक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पर जिस किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो स्वयं अथवा अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 21.10.25 को 11.00 बजे तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 06.10.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा अंकित कर जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दंडाधिकारी
बैकुण्ठपुर
जिला-कोरिया (छ.ग.)

अनमोल वचन......

अपने अंदर की आग को जलाए रखें, सफलता खुद-ब-खुद आपके पास आएगी।

कलंक को धोकर खेल की गरिमा बहाल करें

गत दिनों एशिया कप का फाइनल भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ मुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए रोमांचक अवसर था। उपमहाद्वीप में जब-जब ये दोनों टीमें आमने-सामने होती हैं, तो इसे महज एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों दर्शकों के जज्बातों का संगम माना जाता है। ऐसे में उम्मीद थी कि यह फाइनल न केवल खेल कौशल का प्रदर्शन करेगा बल्कि खेलभावना की मिसाल भी पेश करेगा। मगर अफसोस कि मुकाबले के अंत में सबसे ज्यादा चर्चा खेल के नतीजे की नहीं, बल्कि ट्रॉफी वितरण के दौरान उपजे विवाद की रही। यह विवाद न केवल आयोजन समिति की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है, बल्कि खिलाड़ियों और क्रिकेट संस्थाओं की परिपक्वता पर भी। ट्रॉफी किसी भी टूर्नामेंट की आत्मा कही जा सकती है। यह केवल धातु का ढांचा नहीं, बल्कि उस मेहनत, संघर्ष और टीम भावना का प्रतीक है जिसके लिए खिलाड़ी महीनों तक पसीना बहाते हैं। जब उसी ट्रॉफी को लेकर मंच पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह दृश्य दर्शकों के मन में निराशा और खेल की गरिमा पर प्रश्नचिह्न छोड़ जाता है। एशिया कप जैसे भव्य टूर्नामेंट में यह और भी अस्वीकार्य है। जिस क्षण को उत्सव होना चाहिए था, वह असहमति और अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया।

भारत-पाकिस्तान संबंधों का बोझ क्रिकेट हमेशा ढोता आया है। लेकिन खेल को हमेशा इन तनावों से ऊपर बताया गया है। यह मंच आपसी कटुता को पीछे छोड़कर सद्भाव और सम्मान का संदेश देने का अवसर देता है। किंतु जब ट्रॉफी वितरण जैसे अवसर पर भी शिष्टाचार और खेलभावना की कमी दिखे तो यह साफ संकेत है कि आयोजकों और खिलाड़ियों दोनों को आत्ममंथन की आवश्यकता है। यह केवल दो टीमों के बीच विवाद नहीं, बल्कि पूरे एशियाई क्रिकेट की छवि पर चोट है। इस घटना ने आयोजन समिति की तैयारी और निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की सफलता केवल मैदान पर खेले गए मैचों से नहीं, बल्कि उसके समापन के सुचा आयोजन से भी आंकी जाती है। यदि उस निर्णायक क्षण में भ्रम और विवाद की स्थिति उत्पन्न हो जाए तो यह पूरे टूर्नामेंट की छवि धूमिल कर देता है। खिलाड़ियों के लिए भी यह क्षण आत्मचिंतन का है। वे केवल अपने खेल से ही नहीं, बल्कि अपने आचरण से भी नई पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। यदि मंच पर असहमति और विवाद दिखे तो इससे दर्शकों में गलत संदेश जाता है। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है, और उसकी गरिमा बनाए रखना हर खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।

राशिफल

मेष : भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधियों के बीच प्रगाढ़ता बढ़ेगी। निकट संबंधों में शंकाओं को न हावी होने दें। जीवन साथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखें।

बृषभ : विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। महत्वपूर्ण कार्यों की पूर्ति में आलस्य न करें। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा।

मिथुन : अच्छे कार्यों द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीतिज्ञों को ग्रहों का सहयोग प्राप्त होगा। संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रोजगार में लाभकारी स्थिति प्रसन्न रखेगी।

कर्क : अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह बढ़ेगा। अच्छी आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। बीती हुई बातों को भूलने की कोशिश करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर बनेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी।

सिंह : नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखें। आवेश में लिये गये निर्णय से कष्ट संभव। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

कन्या : किसी नये कार्य में आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति के आसार बढ़ेंगे। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

तुला : पारिवारिक चिंताओं से मन परेशान होगा। घरेलू कार्यों में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में कोई सुखद स्थिति प्रसन्नता लाऐगी। महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी।

वृश्चिक : पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। रोजगार क्षेत्र में परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा।

धनु : उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। मन अच्छी कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। निर्थक दूसरों की आलोचना न करें। कुछ नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी।

मकर : अपने अंदर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सन्निध्य प्राप्त होगा। गुप्त विरोधियों से सतर्क रहें। विभागीय परिवर्तन से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

कुंभ : कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। अच्छे कार्यों के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। राजनीतिज्ञों के लिए समय अनुकूल होगा। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा।

मीन : भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधों में खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व क्षमता की अनुभूति करेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों को कल पर न टालें। पिता के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। मन में नकारात्मक विचार न आने दें।

सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म

//नवेद शिकोह//

सत्ता से लड़ने वाला ही सत्ता हासिल कर सकता है, जो जितना लड़ पाएगा वो उतना सत्ता के करीब बढ़ पाएगा। बेहतर कार्यों को नजरंदाज कर सरकार की कमियों को उजागर करना विपक्ष का धर्म है। मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में दो विपक्षी खेमे है- एक सपा-कांग्रेस का इंडिया गठबंधन और दूसरी बहुजन समाज पार्टी। विपक्ष की इन दो ताकतों की आपसी प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है। किंतु जो विपक्षी खेमा दूसरे विपक्षी खेमे पर ज्यादा हमला करेगा और सत्ता पर अधिक हमलावर होने के बजाय तारीफ करेगा उस दल के बारे में सरकार विरोधी मतदाताओं की राय बहुत अच्छी तो नहीं होगी। और जो विपक्षी खेमा हुकुमत पर हमलावर होगा सरकार विरोधी वोटर एकजुट होकर उस विपक्षी दल के समर्थन में खड़ा होगा।

धर्म-जाति को किनारे रखकर देखिए तो चार तरह का वोटर नजर आता है। एक सत्ता को पसंद करता है और दूसरा सत्ता से नाखुश होता है,सत्ता के कार्यों से संतुष्ट नहीं होता। जो सत्ता के कार्यों से संतुष्ट हैं और उसे पसंद करता है वो वर्ग सत्तारूढ़ पार्टी को वोट देता है। जो सत्ता को पसंद नहीं करता वो वर्ग उस विपक्षी दल को चुनेगा जो सत्ता उखाड़ने में संघर्ष कर रहा हो और सत्ता के प्रति आक्रामक हो।

तीसरा वोटर वर्ग वो है जिसने सत्तारूढ़ पार्टी पर विश्वास कर सत्ता बनवाई। लेकिन उसकी अपेक्षाएं पूरी नहीं हुई, ऐसे वर्ग विकल्प ढूंढेगा।

चौथा वर्ग भी है जो सत्ता को बेहतर इसलिए समझता है क्योंकि उसे सत्ता की खामियों का ज्ञान नहीं है। ऐसे सत्ता समर्थक वोटरों की आंखें खोलकर अपने पाले में लाने के लिए भी विपक्षी दल सत्ता का कच्चा चिट्ठा खोलते हैं। बताते हैं कि मौजूदा सरकार ने जन अपेक्षाएं पूरी नहीं की। जन-विरोधी है सरकार। हुकुमत पर ऐसे हमले करने के लिए विपक्षियों में मुकाबला होता है। यही कारण है कि विपक्ष का मूल स्वभाव सत्ता की आलोचना करना और सत्ता की किसी भी ख़ूबी को नजरंदाज करना है।

बीते 9 अक्टूबर को बसपा की रैली में पार्टी सुप्रीमो मायावती ने सत्ता से अधिक विपक्ष पर हमले किए। योगी सरकार की तारीफ की तब सवाल उठना लाजमी थे। बसपा भाजपा की बी टीम है! ऐसी तोहमतों के रंग गहराना भी स्वाभाविक था। बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा मैदान वापसी और खूब भीड़ वाली एक सफल रैली के बाद बसपाइयों और सपाइयों में नई जंग छिड़ गई। बी टीम की तोहमतों को आधार मिल गया । सपाई कह रहे हैं कि बहन जी ने मंच पर योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करके अब तो भाजपा से अघोषित गठबंधन प्रकट कर दिया है। आरोप ये भी लग रहे हैं कि सरकारी मशीनरी ने मायावती की रैली में भीड़ जुटाई।

भाजपा के सहयोग से बसों का इंतेजाम किया गया था। समाजवादी कह रहे हैं कि विपक्ष का काम सत्ता की कमियों को सामने लाना होता है, लेकिन बसपा सुप्रीमो तो सत्ता की तारीफ कर रही हैं और विपक्षी दलों पर हमलावर हैं। वो स्पष्ट करें कि बसपा एनडीए की सहयोगी है या विपक्ष में है। इस तरह तारीफ तो भाजपा के सहयोगी संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और ओम प्रकाश राजभर भी नहीं करते। सपा के ऐसे आरोपों के जवाब भी बसपाई खेमे से आने लगे हैं। कहां जा रहा है कि विपक्षी दल द्वारा सत्ता का आभार व्यक्त करना कोई गलत बात नहीं।

बसपाई सत्तारूढ़ भाजपा से सपा के रिश्ते याद दिला रहे हैं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव द्वारा संसद में नरेंद्र मोदी की जीत की शुभकामनाएं देनी की याद दिला रहे हैं। मुलायम परिवार से मोदी-योगी के व्यक्तिगत मधुर रिश्तों से लेकर मुलायम सरकार का हिस्सा बनी कल्याण सिंह की पार्टी की याद दिलाई जा रही है। ये सच है कि प्रतिद्वंद्वी होना, राजनीति प्रतिस्पर्धी या राजनीति में विरोधी होने का अर्थ ये कतई नहीं कि हम आपसी शिष्टाचार भी भूल जाएं। सपा संस्थापक मुलायम सिंह का संघ प्रमुख मोहन भागवत के करीब बैठना, मुलायम परिवार के विवाह समारोह में प्रधानमंत्री मोदी का जाना, मुलायम सिंह का कुशलक्षेम पूछने योगी आदित्यनाथ का जाना शिष्टाचार है।

इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या विरोध का कोई मतलब नहीं। इसी तरह बसपा सुप्रीमो मायावती का योगी सरकार को आभार व्यक्त करना भी ग़लत नहीं। लेकिन ये तय है कि यदि मायावती सत्तारूढ़ भाजपा से ज्यादा सपा-कांग्रेस पर आक्रमक होती रही तो बसपा की स्थिति और भी खराब होती रहेगी। और सपा-कांग्रेस भी सत्ता के बजाय बसपा पर ज्यादा हमले करती रहेगी तो ये इंडिया गठबंधन के लिए हानिकारक होगा। दलित समाज में कुछ ऐसे भी हैं जब उन्हें लगता है कि बसपा लड़ाई से बाहर और सत्ता में आने की संभावनाओं से काफी दूर है ऐसे लोगो ने भाजपा को विकल्प मान कर भाजपाई सरकार बनवाने में अपना बड़ा योगदान दिया।

भाजपा के लिए सॉफ्ट और बसपा को पसंद करने वाला एक बड़ा वोटर वर्ग है। ये वर्ग मजबूरी में बसपा से इसलिए दूर हो गया था क्योंकि बसपा ने मैदान छोड़ दिया था। मायावती मैदान में वापस आ गई हैं इसलिए ये वोटर वर्ग बसपा में वापस होगा। बसपा के एक-एक वोटर में एक बात कामन रहेगी कि वो भाजपा के प्रति सॉफ्ट होगा। मायावती द्वारा सपा के साथ कांग्रेस पर जबरदस्त हमलों से सपा का ये डर कम हो गया कि कांग्रेस उसका साथ छोड़ कर बसपा के साथ गठबंधन कर सकती है।

योगी सरकार की तारीफ से ये तय हो गया कि अब सपा के मुस्लिम बल्कि वोट में अब बसपा आठ-दस फीसद वोट में भी सेंध नहीं लगा सकेगी। बसपा सुप्रीमो मायावती के दोबारा मैदान में आने से यदि दलित घर वापसी कर बसपा में वापस होता है तो इसका नुकसान सिर्फ सपा-कांग्रेस को ही नहीं भाजपा को भी खूब होगा। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि आगामी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में यदि त्रिकोणीय मुकाबला हुआ और दलित वोटों के सहारे बसपा पचास-पचपन सीटें भी ले आई और इंडिया गठबंधन और एनडीए को बहुमत नहीं मिल सका तो दोनों गठबंधनों में किसी एक को मायावती को मुख्यमंत्री बनाना होगा। बहन जी ऐसी राजनीतिक कार्ययोजना पर काम कर रही हैं।

भारत के विदेश नीति की नींव मजबूत

//अमित सोमवंशी//

स्वतंत्र भारत के विदेश नीति के जनक पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को भारतीय विदेश नीति के एक मजबूत स्तम्भ के रूप में स्थापित किया। तत्कालीन गुटनिरपेक्षता को दोनो ध्रुवों से समान दूरी के रूप में व्याख्यायित किया गया जबकि कालांतर में गुटनिरपेक्षता से तात्पर्य भारतीय हितों की रक्षा के लिए दोनो ध्रुवों से समान नजदीकी में हैं। तत्कालीन नव स्वतंत्र भारत के पास दोनो ध्रुवों में बटे विश्व में तीसरे विश्व के नेता के रूप में स्थापित होने का सुनहरा अवसर था और इस अवसर में भारत को स्थापित करने में गुटनिरपेक्षताश् ने मजबूत स्तंम्भ का कार्य किया। गुटनिरपेक्षता की इस नीति के प्रारंभिक दिनों में ही भारत के विदेश नीति की नींव को मजबूत करने में रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत-रूस (तत्कालीन सोवियत रूस) संबंधों की शुरूआत स्वतंत्रता के तुरंत बाद पण्डित विजय लक्ष्मी को प्रथम भारतीय राजदूत बनाकर रूस भेजने से किया गया। पण्डित विजय लक्ष्मी को नियुक्ति ही रूस के साथ संबंधों की महत्व को बयान करने के लिए काफी है। हालांकि स्टालिन के प्रारंभिक तल्खी के पश्चात डा. सर्वपल्ली राधा कृष्णन के राजदूत नियुक्त होने पर 1949 में सोवियत संघ से औपचारिक राजनयिक संबंध स्थापित हुआ। सोवियत संघ ने गुटनिरपेक्ष नीति को समर्थन दिया और भारत की स्वयत्त विदेश नीति की सराहना की।

1950 के दशक में भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था में सोवियत संघ की प्रेरणा व सहयोग से पंचवर्षीय योजनाओं का प्रावधान किया गया। सोवियत संघ ने भारी उद्योग, विज्ञान, उर्जा तकनीकी क्षेत्रों में सहायता प्रदान की। 1955 में स्थापित भिलाई इस्पात संयंत्र इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। सोवियत संघ ने रक्षा सहयोग, तकनीकी शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की मदद की।

1955 में सोवियत नेता निकिता और बुल्गानिक ने भारत का दौरा किया तथा इसी वर्ष नेहरू ने भी सोवियत संघ की यात्रा की। यह दोनो देशों के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को मजबूत किया। बैंकि मंचो पर कश्मीर मुद्दे को लेकर कई बार सोवियत संघ ने संयुक्त राष्ट में भारत का समर्थन किया जबकि भारत ने भी कई मौको पर पश्चिमी दबाव के बावजूद सोवियत संघ की नीतियों के विरोध में मतदान नहीं किया, इस प्रकार गुटनिरपेक्ष होते हुए भी दोनो देशों के बीच सामंजस्य बना रहा।

सोवियत संघ संकट के दौर में भारत के साथ समर्पण भाव में खड़ा रहा। 1962 के भारत-चीन यूद्ध के दौरान भारत को कुटनीतिक समर्थन किया तथा हथियारों की आपूर्ति की। सोवियत संघ ने 21 जैसा लड़ाई विमान दिया तथा भारत के सैन्य अधिकारीयों को प्रशिक्षित किया। ऐसे ही 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद सोवियत संघ ने ताशकंद समझौते में (1966) में मध्यस्थ की भूमिका निभाई। 1971 में भारत और सोवियत संघ के बीच श्भारत-सोवियत मैत्री संधि पर हस्ताक्षर हुए। यह संधि 20 वर्षो के लिए थी और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना था।

भारी उद्योग, इस्पात संयंत्र, बिजली परियोजनाएं, तेल रिफाइनरी और मशीन निर्माण जैसे क्षेत्रों में सोवियत तकनीक और सहायता से भारत ने कई कारखानों की स्थापना की, भिलाई स्टील प्लांट, राउरकेला और बोकारो स्टील प्लांट जैसे प्रतिष्ठान सोवियत सहायता से स्थपित किए गए। सोवियत संघ ने भारत को मिग-21 लड़ाकू विमान तकनीक ट्रांसफर के साथ दी, जो भारत में एचएएल द्वारा बनाए गए। भारत को टी-55 और टी-72 टैंक, सुखोई विमान, सतह आईएनएस विराट जैसे एयरक्राफ्ट कैरियरों के संचालन के लिए तकनीकी मदद दी गई। भारत ने सोवियत संघ से मिग-23, मिग-27 और मिग-29 जैसे उन्नत लड़ाकू विमान प्राप्त किए। पनडृब्बी संचालन और नौसेना क्षमताओं में सोवियत तकनीक और प्रशिक्षण का बड़ा यागदान रहा। आर्थिक, सामरिक व व्यापारिक सहयोग का यह मजबूत रिश्ता सांस्कृतिक सहयोग में भी नए आयाम तक पहुचा। भारतीय फिल्में भी सोवियत संघ में काफी लोकप्रिय हुई- जैसे आवारा और श्री 420। साहित्य, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में भी सहयोग हुआ- कई विविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाने लगी और रूसी भाषा भारत में लोकप्रिय हुई। शीतयोद्धत्तर विश्व में सोवियत संघ विघटन (1991) के बाद भारत को अपने पुराने रणनीतिक साझेदार की जगह नए रूस के साथ संबंधों की फिर से परिभाषित करना पड़ा। 1991 में दोस्ताना संबंधों और सहयोग की संधि पर हस्ताक्षर हुए। यह संधि द्विपक्षीय सहयोग का नया आधार बनी। भारत ने रूस को सबसे पसंदीदा राष्ट्र का दर्जा दिया। 2000 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान श्रणनीतिक साझेदारी की घोषण हुई। भारत ने रूस से सुखोई-30, मिग-29, टी-90 टैंक और ब्र्हमोस मिसाईल प्रणाली प्राप्त की। रूस ने भारत में कई रिएक्टर बनाने में मदद की, कुडनकुलम परमाणु संयंत्र रूस की मदद से बना। भारत ने रूस में तेल और गैस परियोजनाओं में निवेश किया (जैसे कि सखालिन-1 प्रोजेक्ट)। 2010 में द्विपक्षीय संबंधों को विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया। वर्ष 2014 के बाद देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच व्यक्तिगत मित्रवत संबंधों ने द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत किया है। दोनों नेता नियमित रूप से द्विपक्षीय वार्ताएं, शिखर सम्मेलन और ब्रिक्स, एससीओ जैसे मंचों पर मिलते रहे है। रूस ने भारत को एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली देने का समझौता किया, जिससे पश्चिमी देशों विशेषकर अमेरिका की नाराजगी भी हुई। एस-400 मिसाईल रक्षा प्रणाली की डील 2018 में की गई थी, जिसकी डिलीवरी 2021 में शुरू हुई।

यह डील भारत की स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत भी है, क्योंकि अमेरिका के प्रतिबंधों के बावजूद यह समझौता हुआ। भारत ने मेक इन इंडिया के तहत रूस के साथ संयुक्त रूप से हथियारों को निर्माण पर बल दिया है- जैसे कि एके-203 राइफल। ब्रह्मस मिसाईल, सुखोई-30 एमकेआई और टी-90 टैंकों जैसे संयुक्त रक्षा कार्यक्रम पहले से चलते आ रहे हैं, और इन्हें और बढ़ाया गया है। संयुक्त सैन्य अभ्यास (जैसे इंद्र अभ्यास) नियमित रूप से होते रहे। दोनो देशों ने 2025 तक 30 बिलियन डॉलर द्विपक्षीय व्यपार और 50 बिलियन डॉलर निवेश का लक्ष्य रखा है। रूपया-रूबल व्यपार (डॉलर के बिना व्यपार) को लेकर बात-चीत हो रही है, खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी प्रतिबंधों के कारण।

भारत और रूस ने ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में भी भागीदारी की और भारत ने रूस के सुदूर पूर्व में निवेश की प्रतिबद्धता जताई, एक लाईन ऑफ क्रेडिट (1 बिलियन डॉलर) देने की घोषणा की थी। भारत और रूस ब्रिक्स, एससीओ और जी20 जैसे मंचों पर सहयोग करते रहे है। रूस ने भारत के यूएनएस का स्थायी सदस्य बनने के प्रयासों का समर्थन किया है। हालांकि भारत-रूस के संबधों में कुछ बहुत प्रभावशाली चुनौतियॉ भी है जो कि समय समय पर समस्याए उत्पन्न करती है। भविष्य में भी यह साझेदारी आपसी हितों, विश्वास और सहयोग पर आाधारित रहकर और आर्थिक सम्पन्ता की ओर अनबरत रूप से बढ़ते रहने की संभावना रखती है।

बिहार देश की सामाजिक न्याय और जाति व्यवस्था की प्रयोगशाला है

वैशाली, भगवान बुद्ध, नालंदा विश्वविद्यालय, माता सीता की मढ़ी ,सरीखे गौरवशाली इतिहास को समेटे भारत का पौराणिक कथाओं से भरपूर राज्य बिहार देश की जाति व्यवस्था और सामाजिक न्याय की प्रयोगशाला है। ब्रिटिश ने बंगाल के विभाजन के बाद 1911 में इसे स्थापित किया । मध्यकालीन भारत में बिहार में नालंदा विश्वविद्यालय था जिसमें चीनी यात्री हैन संग के मुताबिक दस लाख पांडुलीपि थी जिनको 13 बी सदी में अलाउद्दीन खिलजी ने जलाकर नष्ट कर दिया था ।इन पांडुलीपि में प्राचीन भारत का इतिहास दर्ज था ।उससे पहले ईसा पूर्व 567 में भगवान बुद्ध को परम ज्ञान की अनुमति हुई थी।गंगा, कोसी, ब्रह्मपुत्र नदी के तीर में बसा बिहार आजादी के आंदोलनों का साक्षी रहा है। आजादी के बाद भारत में अगर जाति व्यवस्था को सामाजिक न्याय में बदला गया तो वह बिहार ही है । लीची, मखानों, आम, धान, उड़द, ग्वार, मूंगफली,गेहूं आलू का उत्पादन के लिए विख्यात बिहार में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज रही है। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा का चुनाव 6 और 11 नवंबर होना है। राजनीतिक प्रवेक्षकों की माने तो जातियों के समूह तय करेंगे कि कौन सरकार बनाएगा। मुख्य मुकाबला बीजेपी, जेडीयू गठजोड़ यानि एनडीए और राजद कांग्रेस के महागठबंधन के बीच है। राजद ने यादव मुस्लिम जातियों को आकर्षित कर रखा है तो नीतीश कुमार ने अति पिछड़ी जातियों जैसे कोली, कुशवाह, निषाद, कुर्मी,धोबी,तथा अनुसूचित जातियों जैसे पासवान, धानुक, डिमरी, धाम,को अपना लक्ष्य बनाया है भारतीय जनता पार्टी ब्रात्मण, क्षत्रिय, बनिया,भूमिहार,पर नजर रखे है। कांग्रेस राजद के साथ है और 61 सीट पर चुनाव लड़ रही है जबकि राजद 127 सीट पर चुनाव में है। पूरा चुनाव अभियान सभी पार्टियों का जाति व्यवस्था के आधार पर चल रहा है। अन्य राज्यों में जब चुनाव होते हैं तो विकास, क्षेत्र, भाषा, बोली मुद्दे होते हैं लेकिन बिहार में यह सब मुद्दे नदारत हैं। हां एक महिला सशक्तिकरण जरूर भारतीय जनता पार्टी ने मुद्दा बनाया है। बिहार में 1952 प्रथम चुनाव से ही जाति गत राजनीत होती रही है। इसका कारण यह है कि ब्रिटिश राज्य में और उससे पहले मुस्लिम एरा में बड़ी जातियों ने छोटी जातियों का बहुत शोषण किया। जिसमें मंदिरों में प्रवेश, आवाज निकालकर निकलना, बेगारी, दासता, दैहिक शोषणों, महिलाओं की स्थिति, भयानक अशिक्षा, अंधविश्वास, जमींदारी प्रथा, जैसी समस्याओं से बिहार अभिशप्त रहा था। मुसलमानों के शासन में यही व्यवस्था बनी रही हालांकि ब्रिटिश ने कुछ सुधार किए मगर वे मन से और बहुत कम ।

तस्वीरों की दुनिया

महाराष्ट्र के मुंबई में मझगांव डॉक पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा उद्घाटन किए जाने वाले गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों का एक दृश्य।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ बैठक करते हुए।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़नवीस और केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुंबई, महाराष्ट्र में भारत समुद्री सप्ताह 2025 के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान।

नई दिल्ली में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए एक एंटी-स्मॉग गन पानी की बूंदों का छिड़काव करती हुई।

सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी 79वें इन्फैंट्री दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

पुरी में चक्रवात मोंथा के मद्देनजर एहतियात के तौर पर समुद्र तट पर खड़ी नावें।

भाजपा नेता विजय गोयल नई दिल्ली में आवारा कुत्तों से संबंधित एक मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद मीडिया से बात करते हुए।

चक्रवात 'मोंथा' 28 अक्टूबर तक भीषण तूफान में बदलेगा, 100 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

भुवनेश्वर, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

वर्तमान मौसम तंत्र के 28 अक्टूबर की सुबह तक एक भीषण चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। हालांकि चक्रवात 'मोंथा' का लैंडफॉल आंध्र प्रदेश के काकीनाडा के पास होने का अनुमान है, लेकिन भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय मोहापात्रा ने सोमवार को ओटीवी से विशेष बातचीत में इसके ओडिशा पर संभावित प्रभाव की जानकारी दी। महापात्र ने बताया कि सोमवार दोपहर तक चक्रवात गोपालपुर से लगभग 750 किलोमीटर दूर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था। इस दौरान हवा की रफ्तार 70-80 किलोमीटर प्रति घंटा थी, जो 90 किलोमीटर प्रति घंटा तक की झोंकों के साथ चल रही थी। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली धीरे-धीरे उत्तर-उत्तरपश्चिम दिशा में बढ़ रही है और 28 अक्टूबर की सुबह तक यह भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगी।आईएमडी महानिदेशक ने बताया कि इस भीषण चक्रवात की हवा की रफ्तार लगभग 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा होगी, जो 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक की झोंकों के साथ चल सकती है। यह तूफान उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ते हुए 28 अक्टूबर की शाम या रात को माचिलिपटनम और कालींगपट्टनम के बीच, काकीनाडा के पास आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा।लैंडफॉल के बाद, यह चक्रवात आगे बढ़ते हुए मलकानगिरी, कोरापुट, नवरंगपुर और रायगढ़ा जिलों से गुजरते हुए छत्तीसगढ़ की ओर जाएगा।महापात्रा ने कहा कि इस दौरान ओडिशा के दक्षिणी जिलों – खासकर गंजाम और गजपति – में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलेगी, जो 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक की झोंकों के साथ होगी। अन्य प्रभावित जिलों में कोरापुट, नवरंगपुर, मलकानगिरी, रायगढ़ा, कालाहांडी और नुआपड़ा शामिल हैं। अधिकतम हवा की रफ्तार 28 अक्टूबर की शाम से शुरू होकर अगले दिन सुबह तक बनी रह सकती है।

तितली के 7 साल बाद फिर अक्टूबर का तूफान गजपति में रेड अलर्ट, भारी बारिश से डर

भुवनेश्वर, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

सात साल पहले आए तूफान के जख्म आज भी नहीं भरे हैं। साल 2018 में गजपति जिले ने तितली चक्रवात का तांडव देखा था। उस विनाशलीला की यादें आज भी लोगों के मन से नहीं मिटीं। अब उसी अक्टूबर महीने में गजपति जिला फिर एक नए तूफान का सामना करने जा रहा है। हालांकि चक्रवात मोंथा आंध्र प्रदेश में लैंडफॉल करेगा, लेकिन इसका असर गजपति पर बहुत अधिक पड़ेगा। दक्षिण ओडिशा में इस तूफान के प्रभाव से भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इस बार ओडिशा के लिए चिंता तेज हवाओं की नहीं, बल्कि बारिश की है, क्योंकि तेज बारिश से भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। गजपति जिला भूस्खलन संभावित क्षेत्र में होने से प्रशासन और आम जनता दोनों ही चिंतित हैं। मौसम विभाग ने गजपति जिले में रेड अलर्ट जारी किया है। इसके असर से जिले के अधिकांश इलाकों में बारिश हो रही है। अब तक 946 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है, जबकि कुल 4000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। कच्चे या असुरक्षित मकानों में रह रहे लोगों को हटाया जा रहा है। अब तक 166 गर्भवती महिलाओं की पहचान की गई है, जिनमें से 91 को मातृ गृह में शिफ्ट किया गया है। सात साल पहले तितली ने जो दर्द दिया था, हाल ही में हुए भूस्खलनों ने उस घाव को फिर से हरा कर दिया है। और अब जब एक नया तूफान मोंथा आने वाला है, लोगों के मन में डर और बढ़ गया है। साल 2018 में अक्टूबर महीने में आए तितली तूफान ने दक्षिण ओडिशा में तबाही मचाई थी, जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान

गजपति जिले को हुआ था। भारी और लगातार बारिश के कारण पहाड़ियों से पानी नीचे आने लगा और भयानक भूस्खलन हुआ। इस आपदा में लगभग 12 लोगों की मौत हो गई थी। बारिश और तूफान से बचने के लिए गुफाओं में शरण लिए लोगों की ज़िंदगी मिट्टी और पानी की धारा में बह गई। पहाड़ी इलाकों में घरों में पानी घुस गया, मकान ढह गए और मिट्टी के नीचे लोग दबकर मर गए। उस कालरात्रि को गजपति के लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।हाल ही में हुई तेज बारिश के कारण गजपति जिले में कई जगहों पर भूस्खलन हुआ था। इस वजह से लोगों को फिर 2018 की उस भयावह रात की याद आने लगी है। अब जब मोंथा तूफान आने वाला है, डर और बढ़ गया है।गजपति जिले में 129 भूस्खलन संभावित स्थान हैं। आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2022 के बीच जिले में हुए भूस्खलनों में 48 लोगों की जान गई, 71,834 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए, और 1,030 पालतू जानवरों की मौत हुई।

हर साल लगातार बारिश के कारण कहीं न कहीं सड़कें, घर और कभी-कभी लोगों की जान तक चली जाती है।इसे देखते हुए सरकार ने पहले इन संवेदनशील इलाकों से लोगों को सुरक्षित समतल क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की योजना बनाई थी। कई जगहों पर यह प्रक्रिया पूरी भी की गई, और कई जगहों के लिए जमीन चिन्हित की गई थी। लेकिन अब यह प्रक्रिया ठप पड़ी है।हाल ही में हुए भूस्खलनों और अब 28 तारीख को आने वाले चक्रवात के मद्देनज़र लोग फिर से डर में जी रहे हैं – कि कहीं यह बारिश फिर किसी नई त्रासदी को जन्म न दे दे।

साइक्लोन के कारण रद हो गई तीन ट्रेन एर्नाकुलम एक्सप्रेस भी परिवर्तित मार्ग से चलेगी

जमशेदपुर। ओडिशा के दक्षिणी तट से एक बड़ा चक्रवाती तूफान मोंथा जल्द ही टकराने वाला है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे से हवा चलेगी। जिससे जान माल का भारी नुकसान हो सकता है। दक्षिण पूर्व रेलवे ने यात्री सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए आधा दर्जन ट्रेनों को रद किया है जबकि कुछ ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने की घोषणा की है। रेल प्रशासन द्वारा जारी आदेश के तहत 18463 भुनेश्वर -बेंगलुरु एक्सप्रेस, 17015 भुनेश्वर -सिकंदराबाद एक्सप्रेस, 20815 भुवनेश्वर -पोंडिचेरी एक्सप्रेस 28 अक्टूबर मंगलवार को रद रहेगी 18464 जबकि डाउन ट्रेन सिकंदराबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस 29 अक्टूबर को रद रहेगी।

जिला पंचायत के 30 व क्षेत्र पंचायत के घटे 830 वार्ड, राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी जाएगी रिपोर्ट

लखनऊ, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

शहरी निकायों की सीमा विस्तार तथा नए निकायों के गठन से राज्य में जिला पंचायत सदस्य के 30 और क्षेत्र पंचायत सदस्य के 830 वार्ड घट गए हैं। अगले साल होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जिला पंचायत सदस्य के लिए 3050 की जगह 3020 वार्डों में ही चुनाव होंगे। क्षेत्र पंचायत सदस्य के 830 वार्ड समाप्त होने के बाद अब 75,014 वार्डों में चुनाव होंगे। पंचायती राज विभाग नए परिसीमन के बाद कम हुए वार्डों की विस्तृत रिपोर्ट जल्द ही राज्य निर्वायन आयोग को भेजेगा। जिसके आधार पर राज्य में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होंगे। जिला स्तर पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए परिसीमन की प्रक्रिया अगस्त में पूरी होने के बाद पंचायती राज निदेशालय ने परिसीमन के बाद घटी सीटों के आधार पर समग्र रिपोर्ट लगभग तैयार कर लिया है।

नये नगरीय निकायों के सृजन व पुराने निकायों में सीमा विस्तार से जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत वार्डों के साथ ही बड़ी संख्या में ग्राम पंचायतें भी कम हुई हैं।विभागीय अधिकारियों के मुताबिक नए परिसीमन में 16 जिलों में जिला पंचायत सदस्य के वार्ड कम हुए हैं। सबसे अधिक पांच वार्ड देवरिया जिले में समाप्त हुए हैं।मुजफ्फरनगर और गाजियाबाद में तीन-तीन वार्ड खत्म हुए हैं। कुशीनगर, आगमगढ़, प्रतापगढ़, मऊ, गोंडा, बलरामपुर, मथुरा, संतकबीरनगर, गोरखपुर, बहराइच, अयोध्या, अलीगढ़ तथा फर्रूखाबाद में एक से दो वार्ड कम हुए हैं। क्षेत्र पंचायत सदस्य के 75,844 वार्डों में से परिसीमन के बाद 830 वार्ड कम हो गए हैं।

अब 75,014 वार्ड रह गए हैं। ग्राम पंचायत सदस्य वार्डों की संख्या कम होने की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। ग्राम पंचायत सदस्य के 4600 से अधिक वार्ड कम होने का अनुमान है। वर्ष 2021 में ग्राम पंचायत सदस्य के 7,32,643 वार्ड थे। इसी प्रकार 495 ग्राम पंचायतें भी खत्म हुई हैं। ग्राम पंचायतों की संख्या जो 58,189 थी जो घटकर 57,694 रह गई है। सूत्रों का कहना है कि नए परिसीमन के बाद जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत तथा ग्राम पंचायतों की संख्या के साथ ही जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत सदस्य वार्डों की विस्तृत रिपोर्ट राज्य निर्वाचन आयोग को जल्द भेजी जाएगी।

92 साल के पाल बिया फिर चुने गए कैमरून के राष्ट्रपति, लगातार 43 सालों से सत्ता पर काबिज

नई दिल्ली। कैमरून के सर्वोच्च कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव में सोमवार को 92 वर्षीय पाल बिया को विजेता घोषित किया। वह दुनिया के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बन गए हैं। यह उनका आठवां कार्यकाल होगा। वह 1982 से राष्ट्रपति पद पर हैं।संवैधानिक परिषद के अनुसार, बिया को करीब 54 प्रतिशत मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को 35 प्रतिशत से ज्यादा मत मिले। हालांकि 12 अक्टूबर को कराए गए चुनाव के दो दिन बाद विपक्षी उम्मीदवार ने भी अपनी जीत का दावा था। विपक्ष ने चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था। यह मामला कोर्ट में पहुंचा था। इधर, विपक्ष ने विरोध प्रदर्शन भी किया, जिसमें चार प्रदर्शनकारियों के मारे जाने की खबर है।

उत्तर प्रदेश में अब विद्यालय परिसर में शिफ्ट होंगे बाहर चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र, सभी जिलों से मांगी गई रिपोर्ट

लखनऊ, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के बाहर चल रहे आंगनबाड़ी केंद्रों को अब स्कूल परिसर में संचालित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) से विस्तृत जानकारी मांगी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

इसके तहत जिन विद्यालयों में कक्षा एक संचालित है, उन्हें पास के उस आंगनबाड़ी केंद्र से मैप किया जाएगा जो फिलहाल विद्यालय परिसर के बाहर चल रहा है। इसके लिए बीएसए से निर्धारित प्रारूप पर जानकारी मांगी गई है, जिसमें आंगनबाड़ी केंद्र का कोड, निकटतम परिषदीय विद्यालय का नाम, विद्यालय का यू-डायस कोड, विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र के बीच की दूरी, आंगनबाड़ी भवन की स्थिति आदि का ब्यौरा देना है। यह सर्वे खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) और बाल विकास परियोजना अधिकारी की संयुक्त टीम करेगी। टीम अपनी रिपोर्ट बीएसए को देगी, जिसके माध्यम से सभी जिलों की जानकारी संकलित की जाएगी। वर्तमान में प्रदेश में 1.89 लाख आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें से 59 हजार केंद्र पहले से ही परिषदीय विद्यालयों के परिसर में चल रहे हैं।

पटना सिटी में प्लास्टिक गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

पटना सिटी। चौक थाना अंतर्गत शाह की इमली हरनाहा टोला स्थित कन्या मंदिर के समीप एक प्लास्टिक गोदाम में सोमवार की रात अचानक आग लग जाने से अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर पहुंची पांच दमकल की मदद से आग बुझाई गई। आग से एक कमरे में रखा प्लास्टिक का सारा सामान जल गया। कमरे की छत पर रखे प्लास्टिक के कचरे में भी आग लग गई। आग की लपटे इतनी ऊंची थी कि बगल के इमली पेड़ की डाल जलने लगी। फायर कर्मियों ने गोदाम के साथ पेड़ की आज भी बुझाई। घटनास्थल पर मौजूद पटना सिटी फायर स्टेशन के ऑफिसर गयानंद सिंह ने बताया की करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझा दी गई है। किराया के एक कमरा में प्लास्टिक के समान का गोदाम था। संभावना है कि यह आग पटाखा की चिंगारी से लगी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि आसपास पटाखा जलाया जा रहा था। गोदाम मालिक कहीं और रहता है। आग से हुए नुकसान के संबंध में लिखित जानकारी नहीं मिली है।

स्थलभाग की ओर बढ़ रहा है चक्रवात मोंथा, ओडिशा में 30 अक्टूबर तक भारी बारिश, सरकार अलर्ट

भुवनेश्वर। भारतीय मौसम विभाग ने बताया है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव शनिवार पूर्वाह्न में अवदाब (डिप्रेशन) में तब्दील हो गया है। संभावना है कि यह 27 अक्टूबर तक चक्रवात का रूप ले सकता है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे अवदाब में परिवर्तित हुआ। पूर्वानुमान है कि यह 27 अक्टूबर तक चक्रवात में बदल सकता है। संभावित चक्रवात आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, यह कहां लैंडफॉल करेगा, यह स्पष्ट नहीं है। मगर इसके प्रभाव से आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और ओडिशा के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है।हालांकि यह संभावित चक्रवात आंध्र प्रदेश तट की ओर बढ़ रहा है, लेकिन उसका प्रभाव ओडिशा में भी देखने को मिलेगा। 27 से 29 अक्टूबर तक राज्य के विभिन्न इलाकों में भारी वर्षा की संभावना जताई गई है। विशेष रूप से मलकानगिरी और कोरापुट जिलों में बहुत भारी बारिश तथा दक्षिण और तटीय ओडिशा में मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है, ऐसा मौसम विशेषज्ञ विश्वजीत साहू ने बताया है। भुवनेश्वर

स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की निदेशिका मनोरमा महांती ने कहा है कि 27 अक्टूबर से बारिश शुरू होगी, जो 30 अक्टूबर तक जारी रहेगी। हवा की रफ्तार 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी और झोंकों के साथ यह गति 80 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। राज्य के सभी बंदरगाहों को तीसरा खतरे का संकेत (डेंजर सिग्नल नंबर 3) दिया गया है और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। राज्य सरकार ने सभी विभागों को सतर्क कर दिया है। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय की ओर से तैयारियां जारी हैं। जल संसाधन विभाग ने भी अपने अधिकारियों को सतर्क और तैयार रहने के निर्देश दिए हैं।

संभावित चक्रवात की स्थिति को लेकर राजस्व मंत्री सुरेश पुजारी ने समीक्षा की है। उन्होंने कहा कि चक्रवात की स्थिति को देखते हुए स्कूलों की छुट्टी पर कल निर्णय लिया जाएगा। आज सभी सरकारी अधिकारी कार्यालयों में उपस्थित रहेंगे। अधिकारियों की छुट्टियां रद्द करने को लेकर भी कल फैसला लिया जाएगा।

ओडिशा सरकार का बड़ा फैसला, समय पर संपत्ति विवरण न देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगी पदोन्नति

भुवनेश्वर, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

ओडिशा सरकार ने कहा है कि जो सरकारी कर्मचारी निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना वार्षिक संपत्ति विवरण दाखिल नहीं करेंगे, उन्हें पदोन्नति का लाभ नहीं मिलेगा। सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत विभाग की ओर से राज्य के सभी विभागों, आरडीसी और जिला कलेक्टरों को इस संबंध में निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कई सरकारी कर्मचारियों ने वर्ष 2024 के लिए अपनी वार्षिक संपत्ति विवरण रिपोर्ट तय समय सीमा के भीतर दाखिल नहीं की थी, जिसके बाद यह निर्देश जारी किया गया है।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि संपत्ति विवरण दाखिल करने की अंतिम तिथि अब बढ़ाई नहीं जाएगी। कई कर्मचारी एच आर एम एस पोर्टल के माध्यम से अपनी रिपोर्ट दाखिल नहीं कर पाए थे और समय सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने निर्णय लिया है कि समय सीमा में कोई विस्तार नहीं होगा। इस संबंध में यह भी कहा गया है कि HRMS पोर्टल को दोबारा नहीं खोला जाएगा। सरकार ने कहा है कि वार्षिक संपत्ति विवरण समय पर दाखिल करना सभी कर्मचारियों के लिए अनिवार्य है। जो कर्मचारी समय पर रिपोर्ट दाखिल नहीं करेंगे, वे अगले वर्ष तक अनुपालन पूरा करने तक किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में पदोन्नति के लिए विचार हेतु पात्र नहीं होंगे।सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जो कर्मचारी नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके मामले किसी भी DPC बैठक में पदोन्नति हेतु प्रस्तुत नहीं किए जाएंगे।सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्ष 2025 के लिए सभी कर्मचारियों को 1 जनवरी से 31 जनवरी 2026 के बीच अपनी संपत्ति विवरण रिपोर्ट दाखिल करनी होगी।

बालिकाओं की शिक्षा संग सर्वांगीण विकास पर दें ध्यान राज्यपाल ने दिए नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश

लखनऊ, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने के निर्देश दिए हैं। राजकीय बाल गृह बालिका और शिशु बालिका गृह लखनऊ से संबंधित जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथबैठक में राज्यपाल ने कहा कि बालिकाओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं। सभी बालिकाओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण एवं हेल्थ कार्ड तैयार कराया जाए। शिविर आयोजन के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय का सहयोग लिया जाए।सोमवार को राजभवन में आयोजित बैठक में राज्यपाल ने निर्देश दिए कि सभी बालिकाओं के बैंक खाते शीघ्र खोले जाएं और उनकी शिक्षा की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा के लिए अधिकारी समय-समय पर औचक निरीक्षण करते रहें।सरकार की संचालित सभी योजनाओं का लाभ बालिकाओं तक प्राथमिकता के आधार पर पहुंचे। बालिका गृहों को विश्वविद्यालयों से जोड़कर बालिकाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त किया जाए। उन्होंने डा. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडे को आनलाइन शिक्षा के लिए आवश्यक डिजिटल सुविधाएं स्थापित कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल (अपर मुख्य सचिव स्तर) डा. सुधीर एम. बोबडे, अपर मुख्य सचिव महिला एवं बाल विकास लीना जौहरी आदि उपस्थित रहे।

भारत के दम पर वजूद में आनेवाले बांग्लादेश ने उत्तरपूर्वी राज्यों को अपना बताया, नक्शे पर बढ़ा विवाद

ढाका, 28 अक्टूबर [एजेंसी]।

भारत की मदद से वजूद में आनेवाले बांग्लादेश ने एक बार फिर उकसावे वाली हरकत की है। देश के प्रमुख नेता मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी को उपहार में किताब दी है, जिसमें बांग्लादेश का विवादित नक्शा भी शामिल है। इस नक्शे में बिहार, झारखंड, ओडिशा, असम और अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों को ग्रेटर बांग्लादेश के हिस्से के तौर पर दर्शाया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने अभी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। यूनुस ने ये उपहार पाकिस्तान के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को ढाका में दिया। मिर्जा को पाकिस्तान सेना प्रमुख असीम मुनीर का उत्तराधिकारी माना जाता है। यूनुस ने अपने आधिकारिक एक्स एकाउंट पर मिर्जा के साथ कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं।इस तस्वीर में एक किताब नजर आ रही है, जिस पर आर्ट आफ ट्रायंफ बांग्लादेश ज न्यू डान, लिखा हुआ है। इस किताब में 2024 में छात्र आंदोलन की शुरुआत से लेकर शेख हसीना सरकार को हटाने तक की तस्वीरें शामिल की गई हैं। हालांकि, मामले में विवाद केवल नक्शे की वजह से है। इसमें ग्रेटर बांग्लादेश की अवधारणा को दर्शाया गया है। इस अवधारणा को ढाका आधारित इस्लामिक कट्टरपंथी, संगठन सल्तनत ए बांग्ला के दिमाग की उपज माना जा रहा है। इस नक्शे में भारत के समूचे उत्तरपूर्वी हिस्से को ही बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। साथ ही

म्यांमार के अराकान राज्य को भी इसमें शामिल दिखाया गया है। अब तक 12 देशों के नेताओं को दी गई ये किताब बांग्लादेश के नेता पहले भी इस किताब को उपहार के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। सितंबर 2024 में यूनुस ने तब के कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो को यह किताब गिफ्ट की थी। इस किताब को गिफ्ट में देना एक राजनीतिक और कूटनीतिक संकेत माना जाता है। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक यह किताब अब तक 12 से ज्यादा विदेशी नेताओं और अधिकारियों को गिफ्ट की जा चुकी है। इनमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी, ब्राजील के पीएम लूला डा सिल्वा और पूर्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। 2024 से हो रही नक्शे के जरिये उकसावे की कार्रवाई बताया जाता है कि इससे पहले ये विवादित नक्शा 2024 में यूनुस के करीबी नहीदुल इस्लाम ने साझा किया था।इसके बाद इस साल अप्रैल में ढाका विश्वविद्यालय में बंगाली नववर्ष, पोहेला बैशाख, के मौके पर एक प्रदर्शनी में इस नक्शे को देखा गया था।

इस मुद्दे को कांग्रेस सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने अगस्त में राज्यसभा में उठाया था। अप्रैल में अपने चीन दौरे पर मोहम्मद यूनुस ढाका को इस क्षेत्र का एकमात्र सामुद्रिक संरक्षक बताकर विवाद खड़ा किया था। उन्होंने आगे कहा था कि भारत के उत्तरपूर्वी सात राज्य पूरी तरह बांग्लादेश से घिरे हुए हैं।उनके पास समुद्र तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है। इस पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के उत्तरपूर्व की रणनीतिक महत्ता पर जोर देते हुए इसे कनेक्टिविटी हब बताया था।

उन्होंने कहा था कि ये राज्य बिम्सटेक, यानी बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड को आपस में जोड़ते हैं। बता दें कि शेख हसीना को अपदस्थ करने और उनके भारत में शरण लेने के बाद से भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव बढ़ गया है। यूनुस ने चीन और पाकिस्तान से नजदीकी भी बढ़ाई है।

छत्तीसगढ़ के घने जंगलों में छिपा प्रकृति का चमत्कार रानीदाह जलप्रपात

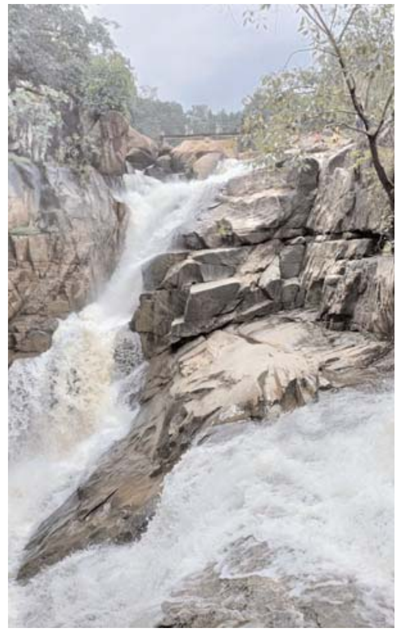

रानीदाह जलप्रपात का सबसे आकर्षक रूप मानसून के दौरान देखने को मिलता है, जब पानी का बहाव चरम पर होता है और चारों ओर हरियाली व वादियां निखर उठती हैं। एडवेंचर, फोटोग्राफी, और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह स्थान अद्भुत अनुभव देता है। यहाँ की स्वच्छ बूंदें, हरियाली भरी घाटियाँ और झरने की गूंज हर आगंतुक को मंत्रमुग्ध कर देती है।

रानीदाह जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के जशपुर जिला मुख्यालय से लगभग 15 से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह झरना घने जंगलों और पहाड़ी इलाकों के मध्य स्थित है और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। बरसात के मौसम में यहाँ का नजारा अत्यंत मनोहारी होता है, झरने की धाराएं विशाल चट्टानों से गिरती हैं और एक विशाल जलकुंड में मिल जाती हैं। आसपास जंगल, टेढ़े-मेढ़े रास्ते, और ऊँची-नीची पहाड़ियाँ इस जगह को रोमांचक बनाते हैं। यहाँ के माहौल में शांति, ताजगी और हरियाली छायी रहती है, जिससे यह पिकनिक और प्रकृति प्रेमियों का आदर्श स्थल है।

रानीदाह जलप्रपात से जुड़ी एक रोचक किंवदंती भी है। कहा जाता है कि उड़ीसा की रानी शिरोमणि अपने प्रेमी के साथ भागकर जशपुर आई थीं, जहाँ उन्होंने अपने भाईयों से छिपते हुए इसी झरने के समीप आत्मसमर्पण किया। इसी वजह से इस स्थल का नाम रानीदाह पड़ा। आज भी यहाँ रानी की समाधि और पंचमैया नामक स्थल देखने को मिलता है, जो रानी के पाँच भाईयों को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाता है। जलप्रपात के निकट एक शिव मंदिर भी है, जिससे इसका धार्मिक महत्त्व बढ़ जाता है।

यह जलप्रपात वर्ष पर्यन्त विशेष रूप से जून से फरवरी तक चालू रहता है। जशपुर से आरा मार्ग पर लगभग 18 किमी दूरी और मुख्य सड़क से 5 किमी अंदर की ओर स्थित इस स्थल तक सड़क मार्ग, ट्रेन (रांची व अंबिकापुर रेलवे स्टेशन), और हवाई यात्रा (रांची व रायपुर एयरपोर्ट) से पहुँचा जा सकता है। यहाँ जिला प्रशासन ने व्यू प्वाइंट, सीढ़ियाँ, एवं पिकनिक के लिए सुरक्षित व्यवस्था की है ताकि पर्यटक पूर्ण रूप से प्रकृति का आनंद उठा सकें।

रानीदाह जलप्रपात न केवल छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण बिंदु है, बल्कि प्रकृति, इतिहास और रोमांच से भरपूर एक अविस्मरणीय स्थल भी है। यहाँ आकर मनुष्य को प्रकृति के शांत, पवित्र एवं रमणीय स्वरूप का गहरा अहसास होता है।

सर्दियों में ठंड के कारण पेट में दर्द होता है? आजमाएं ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों के दौरान ठंड के कारण पेट में दर्द होना एक आम समस्या है। यह दर्द कई बार बहुत ज्यादा हो सकता है और रोजमर्रा के कामों में रुकावट डाल सकता है। इस लेख में हम कुछ आसान घरेलू उपायों पर चर्चा करेंगे, जो इस समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप अपने पेट के दर्द को कम कर सकते हैं और आराम पा सकते हैं।

अदरक का सेवन करें- अदरक एक प्राकृतिक औषधि है, जो पेट के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है। इसमें सूजन कम करने वाले गुण होते हैं। अदरक की चाय या कच्चे अदरक का सेवन करें। इससे आपके पेट की मांसपेशियों को आराम मिलेगा और दर्द में कमी आएगी। इसके अलावा अदरक का सेवन पाचन क्रिया को भी सुधारता है, जिससे गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत मिलती है।

गर्म पानी की बोतल का करें उपयोग-गर्म पानी की बोतल का उपयोग करने से भी पेट के दर्द में राहत मिल सकती है। इसे दर्द वाले क्षेत्र पर कुछ मिनट तक रखें। गर्मी से खून का बहाव बेहतर होता है और मांसपेशियां ढीली होती हैं, जिससे दर्द कम होता है। यह तरीका खासकर ठंड के मौसम में बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि ठंड से प्रभावित मांसपेशियां अक्सर कठोर हो जाती हैं। इसलिए गर्म पानी की बोतल का उपयोग जरूर करें।

तुलसी की पत्तियां चबाएं- तुलसी की पत्तियां कई फायदेमंद गुणों से भरपूर होती हैं, जो पेट के दर्द को कम करने में सहायक हो सकती हैं। रोजाना सुबह खाली पेट तुलसी की 3-4 पत्तियां चबाने से आपके पाचन तंत्र मजबूत होता है और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। तुलसी में मौजूद गुण आपके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाते हैं, जिससे आप ठंड के प्रभाव से बेहतर तरीके से निपट सकते हैं और पेट का दर्द कम होता है।

गर्म पानी पिएं- गर्म पानी पीने से भी पेट के दर्द में राहत मिल सकती है। यह पाचन तंत्र को सुधारता है और पेट में बनने वाले एसिड को संतुलित करता है, जिससे पेट की जलन कम होती है। इसके अलावा गर्म पानी पीने से अंदरूनी अंगों को आराम मिलता है और खून का बहाव बेहतर होता है। ठंडे पानी के बजाय गर्म पानी का सेवन करने से शरीर को ठंड से बचाव में मदद मिलती है।

हल्दी दूध का सेवन करें-हल्दी दूध एक पारंपरिक उपाय है, जो आपकी प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है और शरीर को अंदरूनी गर्मी प्रदान करता है। रात को सोने से पहले एक गिलास हल्दी दूध पीने से आपके शरीर को आराम मिलता है और पेट का दर्द कम होता है। हल्दी में ऐसे तत्व होते हैं, जो सूजन को कम करते हैं और पेट की मांसपेशियों को ढीला करते हैं।

वरुण धवन की भेड़िया 2 पर क्या है अपडेट? सामने आई ये जानकारी

वरुण धवन की फिल्म भेड़िया साल 2022 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें उनके साथ कृति सैनन नजर आई थीं। फिल्म को दर्शकों ने काफी पसंद किया था। सफलताओं की सीढ़ी चढ़ चुकी इस फिल्म के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा है। भेड़िया 2 को लेकर लोगों की उत्सुकता इसलिए और बढ़ गई, क्योंकि वरुण फिल्म थामा में भेड़िया वाले अवतार के साथ कैमियो करते दिखे हैं। आइए जानते हैं कि इस फिल्म पर क्या अपडेट है। भेड़िया का निर्देशन करने वाले अमर कौशिक ने इसके सीक्वल पर बात की है। उन्होंने कहा, हम इसे तब तक नहीं बना सकते जब तक हम स्क्रिप्ट से उत्साहित न हों, और उसके बाद ही हम चीजों को आगे बढ़ा सकते हैं। हालांकि, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि अब इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा। निर्देशक की बात से साफ है कि मैडॉक फिल्म्स भेड़िया 2 पर जल्द काम शुरू करने वाला है। बातचीत के दौरान जब अमर ने बताया कि आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म थामा में कैमियो करने के बाद वरुण की खुशी सातवें आसमान पर हैं। उन्होंने कहा, वह बहुत खुश हैं और मुझ पर जल्द ही भेड़िया 2 बनाने का दबाव बना रहे हैं। फिलहाल मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स अपनी अगली फिल्म शक्ति शालिनी की तैयारी में जुटा है, जिसमें अनीत पड्डा अहम किरदार में नजर आएंगी। ये फिल्म अगले साल 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी।

नए शहर को समझने के लिए एक्ट्रेस सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल, बताया रोम का एक्सपीरियंस

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं।

पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताईं। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया।

सैयामी ने कहा, मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।

सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी।

उन्होंने कहा, कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया। फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह फिल्म 2016 में बनी मलयालम फिल्म ओप्पम का रीमेक है।

संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट में ऐसा होगा प्रभास का किरदार, कहानी पर आया बड़ा अपडेट

अभिनेता प्रभास की आगामी फिल्म स्पिरिट सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोर रही है। एनिमल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके संदीप रेड्डी वांगा इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट को लेकर एक ऐसी जानकारी सामने आई है, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर देगी। दरअसल, स्पिरिट की कहानी क्या होगी और प्रभास फिल्म में किस तरह का किरदार निभा सकते हैं, इसे लेकर बड़ा खुलासा हो गया है। आइए जानते हैं इस बारे में। प्रभास का किरदार एक बदनाम [illegible] अधिकारी और पूर्व अकादमी टॉपर का होगा। अपने बर्ताव की वजह से वो जेल जाएगा। दूसरी ओर, प्रकाश राज सख्त पुलिस अधीक्षक की भूमिका निभा रहे हैं, जिनका सामना जेल में प्रभास से होता है। पहले वायरल पोस्ट में बताया गया था कि एक बदनाम पुलिसवाला (प्रभास), अपनी नौकरी वापस पाने के लिए क्रूर अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोह का शिकार करता है।

पैरों की सूजन से राहत पाने के लिए आजमाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

पैरों में सूजन एक आम समस्या है, जो अक्सर लंबे समय तक खड़े रहने, बैठने या यात्रा करने के कारण हो सकती है। यह समस्या असुविधा का कारण बन सकती है और चलने-फिरने में कठिनाई पैदा कर सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिनसे आप पैरों की सूजन को कम कर सकते हैं और आरामदायक महसूस कर सकते हैं।

नमक वाले पानी में पैर डुबोएं- पैरों की सूजन कम करने के लिए नमक वाला पानी बहुत फायदेमंद होता है। इसके लिए एक बाल्टी में गुनगुना पानी भरें और उसमें थोड़ा नमक मिलाएं। अब अपने पैरों को 15-20 मिनट तक इस पानी में डुबोएं। नमक पानी को सोखने में मदद करता है, जिससे सूजन कम होती है और आराम भी मिलता है। इस प्रक्रिया को दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिल सके। ठंडे पानी से सिकाई करें- ठंडे पानी की सिकाई भी पैरों की सूजन कम करने में मददगार होती है। इसके लिए एक बाल्टी में बर्फ का टुकड़ा डालकर उसे कुछ मिनट तक अपने पैरों पर घुमाएं या फिर एक कपड़े में बर्फ लपेटकर प्रभावित जगह पर लगाएं। इससे खून का बहाव बेहतर होता है और सूजन कम होती है। यह प्रक्रिया दिन में दो बार करने से आपको जल्दी राहत मिलेगी और आराम भी महसूस होगा। सेब के सिरके का इस्तेमाल करें-सेब का सिरका प्राकृतिक रूप से सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक बाल्टी गुनगुने पानी में दो चम्मच सेब का सिरका मिलाकर उसमें अपने पैरों को 15-20 मिनट तक डुबोएं। इससे सूजन कम होगी और आराम भी मिलेगा। इस प्रक्रिया को दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिल सके और पैरों की सूजन जल्द घट सके। अदरक का रस लगाएं- अदरक का रस भी पैरों की सूजन कम करने में मदद करता है। इसके लिए एक अदरक का टुकड़ा लेकर उसे कदूकस कर लें और उसका रस निकाल लें। अब इस रस को प्रभावित जगह पर लगाएं और कुछ मिनट तक छोड़ दें, फिर गुनगुने पानी से धो लें। अदरक में मौजूद सूजन कम करने वाले गुण सूजन कम करने में मदद करते हैं और पैरों को आराम भी मिलता है। हल्दी मिलाकर दूध पिएं- हल्दी मिलाकर दूध पीने से भी पैरों की सूजन कम होती है क्योंकि हल्दी में विशेष तत्व होते हैं, जो सूजन को कम करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक कप गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पी लें या फिर इसे रात को सोने से पहले पिएं। यह प्रक्रिया दिन में एक बार जरूर अपनाएं ताकि आपको जल्दी राहत मिलेगी और पैरों की सूजन जल्द घट सके।

शब्द सामर्थ्य -209

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, बक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भुत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

1	2		3	■	4	5	■	■
6		■	7				8	■
9		10		■		■	11	
12			■	13		14		■
■	15				■		■	16
17	■		■	18			■	
19		■	■	■	■	20	21	
	■	22		23		■	24	
25			■	26				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 208 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	खि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

इमरान हाशमी-यामी गौतम की हक से सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी और यामी गौतम की आगामी फिल्म हक बहुत जल्द रिलीज होने वाली है। इस फिल्म से पूर्व मिस यूनिवर्स इंडिया-सुपरमॉडल वर्तिका सिंह बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही है।

सुपर्ण वर्मा इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। इस फिल्म में वर्तिका एक ऐसी महिला की भूमिका निभाएंगी जो भावनात्मक रूप से बहुत मजबूत है। वह 'द फैमिली मैन' और 'राणा नायडू' जैसी वेब सीरीज में अपने संजीदा अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिल्म में अपने रोल के लिए वर्तिका ने काफी ट्रेनिंग ली। उन्होंने कई भाषा के जानकारों से उनके किरदार के लिए बोलने का लहजा सीखा। कई वर्कशॉप भी लीं। वर्तिका सिंह लखनऊ की रहने वाली हैं। इस फिल्म की शूटिंग लखनऊ में भी हुई है। मेकर्स का कहना है कि इस रोल के लिए वह बिलकुल परफेक्ट थीं।

वर्तिका सिंह ने 2019 में मिस यूनिवर्स इंडिया का खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के 68वें संस्करण में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले उन्हें 2015 में फेमिना मिस इंडिया ग्रैंड इंटरनेशनल का ताज पहनाया गया। जीक्यू मैगजीन ने उन्हें 2017 में भारत की सबसे खूबसूरत महिलाओं में शुमार किया था।

फिल्म हक की कहानी साल 1985 के प्रसिद्ध शाह बानो बनाम अहमद खान केस से प्रेरित है, जो महिला अधिकारों और सामाजिक न्याय की दिशा में एक मील का पत्थर माना जाता है। फिल्म में यामी गौतम शाह बानो का किरदार निभा रही हैं, जबकि इमरान हाशमी उनके पति मोहम्मद अहमद खान की भूमिका में दिखाई देंगे।

फिल्म हक को सुपर्ण एस वर्मा ने डायरेक्ट किया है। इसमें शीबा चड्ढा, दानिश हुसैन और असीम हट्टंगडी जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म 7 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी मशहूर जर्नलिस्ट जिग्ना वोरा की बुक बानो: भारत की बेटी पर आधारित है।

फिल्म का ट्रेलर देखने के बाद जिग्ना वोरा ने कहा था कि फिल्म में सभी कलाकारों ने अपने-किरदार के साथ न्याय किया है। खासकर इमरान हाशमी और यामी गौतम ने बहुत अच्छी एक्टिंग की है। इस फिल्म को जंगली पिक्चर्स, इंसोम्निया फिल्म्स और बावेजा स्टूडियोज ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

बॉक्स ऑफिसः पटरी से उतरी आयुष्मान खुराना की थामा, एक दीवाने की दीवानियत बना रही दीवाना

आयुष्मान खुराना की फिल्म थामा और हर्षवर्धन राणे की फिल्म एक दीवाने की दीवानियत ने एक ही दिन 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। पहले दिन दोनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया कमाई की। भले ही रिलीज के चौथे दिन में दोनों फिल्मों की कमाई में गिरावट दर्ज की गई हो, लेकिन कम बजट में बनी एक दीवाने की दीवानियत, थामा को बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर दे रही है। आइए दोनों फिल्मों की कमाई जान लें। मैडॉक फिल्म्स की हॉरर कॉमेडी थामा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार ओपनिंग ली। हालांकि, फिर दूसरे और तीसरे दिन इसका कारोबार गिर गया, लेकिन चौथे दिन थामा की कमाई में काफी मंदी देखी गई। तीसरे दिन 13 करोड़ कमाने वाली फिल्म चौथे दिन 9.55 करोड़ के साथ सिंगल डिजिट में सिमट गई। 145 करोड़ रुपये के बजट में बनी ये फिल्म अभी भारत में 65.63 करोड़ रुपये कमा पाई है। फिल्म अपना बजट वसूलने से फिलहाल काफी दूर है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने इस फिल्म का निर्देशन किया है, जिन्होंने मुंज्या बनाई थी। फिल्म थामा बेताल की प्रजाति की कहानी है, जिसे लोगों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। फिल्म की कहानी आलोक गोयल यानी आयुष्मान खुराना की है, जो घने जंगलों में ट्रेकिंग करने जाता है। वहां भालू उस पर हमला करता है और फिर एक रहस्यमयी लड़की ताड़का (रश्मिका मंदाना) उसकी जान बचाती है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल ने भी फिल्म में अहम भूमिका निभाई है।

झुमका बांध पर आस्था और परंपरा के साथ दिया सूर्य को अर्घ्य

कोरिया बैकुंठपुर। आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना का महान पर्व छठ इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिले के विभिन्न घाटों पर भक्तों की भीड़ उमड़ी, वहीं झुमका बांध स्थित घाट पर विशेष उत्साह देखने को मिला। सोमवार की शाम डूबते और मंगलवार को उदय के समय भक्तों ने सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान घाटो पर भारी भीड़ रही। सभी ने सूर्य देव की उपासना कर सबके कल्याण की कामना की।

झुमका बांध का घाट आकार में छोटा होने के बावजूद श्रद्धालुओं की अपार भीड़ रही। महिलाओं ने सिर पर डाला, सूप और पूजा सामग्री लेकर पारंपरिक गीतों के साथ घाट की ओर रुख किया। छठ व्रत करने वाली महिलाएं पूरे नियम और विधि-विधान से पूजा-अर्चना में लीन दिखीं। घाट पर कांच ही बांस के बहंगिया और उठा सूर्य भगवान जैसे लोकगीतों की गूंज ने पूरे वातावरण को भक्ति और आस्था से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सैनिक संगठन की सक्रिय भूमिका देखने को मिली। संगठन के पदाधिकारी और सदस्य व्रतधारियों की सेवा में तत्पर दिखे। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष सूबेदार सुनील सिंह अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। टीम ने घाट पर व्यवस्था बनाए रखने और व्रतधारियों की सहायता में सहयोग दिया। छठ पर्व के अवसर पर झुमका बांध का दृश्य अत्यंत मनमोहक था। डूबते सूर्य की लालिमा और श्रद्धालुओं की आस्था का संगम देखने योग्य था। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सभी ने इस पवित्र क्षण का आनंद लिया। महिलाओं ने तालाब में खड़े होकर सूर्य देव को दूध, जल और फल-सूप अर्पित किया। पूजा के बाद सभी ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं और शांति, समृद्धि व अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की। स्थानीय प्रशासन और समाजसेवियों के सहयोग से घाट पर सुरक्षा और स्वच्छता की अच्छी व्यवस्था की गई थी। उपस्थित लोगों ने बताया कि झुमका बांध में हर वर्ष की भांति इस बार भी श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है। आस्था और सामूहिक सहभागिता का यह दृश्य समाज में एकता और सद्भाव का संदेश देता है। छठ पर्व की महत्ता इस बात में निहित है कि यह केवल पूजा नहीं, बल्कि संयम, शुद्धता और पर्यावरण के प्रति सम्मान का प्रतीक है। झुमका बांध पर डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रतधारियों ने उगते सूर्य की प्रतीक्षा में रात्रि भर भक्ति गीतों के बीच समय बिताया। इस प्रकार, झुमका बांध पर छठ पर्व ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि आस्था की ज्योति और सामूहिकता की भावना मिलकर समाज को नई ऊर्जा प्रदान करती है।

आस्था, शुचिता और सूर्योपासना का अनुपम संगम

भारत की महान सांस्कृतिक धरोहरों में शामिल छठ महापर्व का आगाज श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हो चुका है। सूर्य देव और षष्ठी माता की आराधना को समर्पित यह पर्व लोकआस्था का सबसे बड़ा और पवित्र पर्व माना जाता है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित देशभर में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। कोरिया जिले में भी घाटों पर तैयारियां शुरू हो गई हैं और श्रद्धालु पूरे नियम और शुचिता के साथ व्रत पालन में लगे हुए हैं। छठ पूजा का इतिहास धार्मिक ग्रंथों में गहराई से वर्णित है। मान्यताओं के अनुसार, त्रेतायुग में भगवान श्रीराम और माता सीता ने अयोध्या लौटने के बाद कार्तिक शुक्ल षष्ठी को सूर्य देव की आराधना की थी, वहीं महाभारत काल में द्रौपदी ने भी पांडवों के कल्याण हेतु छठी मैया की पूजा की थी। वैदिक काल से ही सूर्योपासना का महत्व रहा है, जिसका स्वरूप आगे चलकर छठ पर्व के रूप में विकसित हुआ। इस ऐतिहासिक आधार के कारण यह पर्व धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्व रखता है। छठी मईया को षष्ठी देवी के रूप में पूजा जाता है। इन्हें सूर्य देव की बहन और संतान की रक्षक देवी माना गया है। लोकमान्यताओं के अनुसार, छठी मईया की कृपा से व्रती को संतान सुख, दीर्घायु और आरोग्यता की प्राप्ति होती है। इसलिए माता-पिता अपने बच्चों के कल्याण की कामना करते हुए बड़े श्रद्धा भाव से उनकी पूजा करते हैं। धार्मिक आस्था के साथ-साथ इस पर्व का सामाजिक और वैज्ञानिक महत्व भी है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु चार दिनों तक कठोर नियमों का पालन करते हुए शुद्धता, संयम और स्वच्छता के साथ पूजा करते हैं। व्रती निर्जला उपवास रखते हैं और घाटों पर जल में खड़े होकर डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। यह जीवन के हर चरण—आरंभ और अंत, दोनों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। वहीं सूर्य की किरणों से शरीर को ऊर्जा और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होने का वैज्ञानिक पहलू भी इससे जुड़ा है। कोरिया जिले के विभिन्न छठ घाटों पर सुरक्षा, स्वच्छता और रोशनी की विशेष व्यवस्था की जा रही है। नगरपालिकाएँ तथा प्रशासनिक टीमें तैयारियों में जुटी हुई हैं। श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है और लोग परिवार के साथ इस महापर्व में शामिल होकर सूर्य देव और छठी मईया से सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। छठ महापर्व भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है जिसमें धर्म, प्रकृति और मानवता का अनोखा संगम दिखता है। यही कारण है कि यह पर्व श्रद्धा, विश्वास और अनुशासन की अनूठी मिसाल बनकर सदियों से हमारी परंपराओं में जीवित है।

जीवन में आशा और उजाले का संदेश देने वाला महापर्व

दुनिया का सिद्धांत है कि जो भी उदय होता है, उसका अस्त होना निश्चित है। प्रकृति का यह नियम जीवन के हर क्षेत्र में दिखाई देता है—सूर्य हो या चंद्रमा, ऋतु हो या जीवन का कोई भी पहलू, सबका अपना उदय और अस्त होता है। किंतु भारतीय संस्कृति में छठ महापर्व इस प्राकृतिक नियम में आशा का अनोखा संदेश जोड़ता है। यह पर्व यह बताता है कि जीवन में चाहे कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, कितना भी अंधकार क्यों न छा जाए, हर डूबे हुए सूरज का फिर से उदय होता है। इसलिए जीवनपथ पर कभी भी निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि अंधकार के बाद उजाला अवश्य आता है। छठ पर्व केवल पूजा या परंपरा नहीं, बल्कि त्याग, आस्था और शुद्धता का ऐसा संगम है, जो मानव जीवन के संघर्ष और विश्वास को दर्शाता है। सूर्य देवता और छठी मैया की आराधना के माध्यम से लाखों श्रद्धालु यह संदेश ग्रहण करते हैं कि मेहनत और धैर्य से संपूर्ण जीवन में प्रकाश फैल सकता है। यह पर्व मुख्य रूप से पूर्वी भारत के बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश-विदेश में बसे भारतीयों द्वारा अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत नहाय-खाय से होती है। इसके बाद खरना, संझा अर्घ्य और सुबह का अर्घ्य अर्पित कर पर्व की पूर्णता होती है। इस दौरान व्रतधारी महिलाएँ 36 घंटे का निर्जला उपवास रखती हैं और पूरी पवित्रता व अनुशासन के साथ सूर्य देवता को अर्घ्य देती हैं।

यह उपवास केवल धार्मिक नहीं, बल्कि आत्मबल, मानसिक शक्ति और समर्पण का प्रतीक है। जब अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है तो यह संदेश मिलता है कि जीवन में डूबते हुए क्षणों में भी कृतज्ञता और सम्मान जरूरी है। वहीं उदय होते सूर्य को अर्घ्य देकर भविष्य के नए उजाले और आशा का स्वागत किया जाता है। यही छठ की सबसे बड़ी विशेषता है। अस्त और उदय को समान भाव से स्वीकार करना। आज के समय में, जब जीवन की चुनौतियाँ कभी-कभी मनुष्य को हताश कर देती हैं, छठ महापर्व यह सिखाता है कि हर कठिनाई अस्थायी है। यदि मन में विश्वास और सकारात्मक विचार हों, तो अंधकार का दौर बीत जाता है और जीवन में फिर से प्रकाश फैलता है। छठी मैया और सूर्य देवता से की गई प्रार्थना का सार यही है कि वे सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ का आशीर्वाद दें। यह पर्व लोगों को एकजुट करता है, समाज में प्रेम, सामूहिकता और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ाता है। परंपराओं के इस अमूल्य धरोहर को युवा पीढ़ी भी बड़े उत्साह से आगे बढ़ा रही है, जिससे भारतीय संस्कृति की जड़ें और अधिक मजबूत हो रही हैं।

साइबर सुरक्षा संवाद व साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम

कोरिया बैकुंठपुर। पुलिस महानिरीक्षक (सरगुजा रेंज) के द्वारा लगातार आम जनों से साइबर संवाद के माध्यम से साइबर अपराध और उसके बचाव के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी से अवगत कराए जाने हेतु निर्देशित किया जा रहा है,जिसके परिपालन में पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं साइबर प्रभारी निरीक्षक विनोद पासवान एवं साइबर टीम के द्वारा आम जनों को आज वार्ड क्रमांक 19 जूनापारा में वार्ड पार्षद रीमा जायसवाल की उपस्थिति में आम जनों से साइबर सुरक्षा संबंधित संवाद किया जाकर समस्याएं सुनी गई एवं साइबर अपराध से बचने का उपाय बताया गया। साइबर अपराध को लेकर कोरिया पुलिस लगातार जन जागरूकता अभियान चला रही है,जिसके सार्थक परिणाम भी देखने को मिले रहे हैं,फिर भी लोग साइबर ठगों के झांसे में आ जाते हैं, साइबर अपराध रोकने के लिए लोगों को भी जागरूक होने की जरूरत है किसी अनजान व्यक्ति के झांसे में आकर किसी प्रकार के लिंक, एपीके फाईल या फोन पर आए मैसेज और ओटीपी को शेयर ना करें,विश्वसनीय ऐप, सॉफ्टवेयर का उपयोग करें, संदिग्ध लिंक से बचें और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से परहेज करें, सुरक्षित ऑनलाइन आदतें अपनाएं, बच्चों को इंटरनेट सुरक्षा के बारे में शिक्षित करें और इस बात का ख्याल रखे कि अगर आप साइबर फ्राड के जाल में फंस जाते हैं तो डरें नहीं साइबर हेल्पलाईन नंबर 1930 पर कॉल कर शिकायत जरूर दर्ज कराएं और स्थानीय पुलिस से भी सम्पर्क करें। सुरक्षा के प्रति सक्रिय और स्मार्ट रहकर साइबर जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राजवाड़े समाज समिति जूनापारा की नई कार्यकारिणी ने समारोह में शपथ ली, अच्छे काम करने का संकल्प

कोरिया बैकुंठपुर। राजवाड़े समाज समिति, ग्राम जूनापारा (बिशुनपुर) की ग्राम समिति का पुनर्गठन एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 25 अक्टूबर 25 (शनिवार) को गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

यह आयोजन सुरेंद्र राजवाड़े के निवास, तलवा पारा में सम्पन्न हुआ, जिसमें समाज के गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ सदस्य, शिक्षक वर्ग एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने समाज की एकता, शिक्षा, संस्कृति और विकास के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। **नवगठित समिति – पदाधिकारीगण** अध्यक्ष: बहादुर लाल राजवाड़े (वरिष्ठ शिक्षक), संरक्षक: लखन राजवाड़े (सेवानिवृत्त शिक्षक), सचिव: रामेश्वर राजवाड़े (शिक्षक), उपाध्यक्ष: बनारसी लाल राजवाड़े, सह सचिव: रमेश

राजवाड़े, कोषाध्यक्ष: सुरेंद्र प्रसाद राजवाड़े, संचालक: मनोज राजवाड़े, प्रवक्ता: सुरेंद्र राजवाड़े (शिक्षक), निरीक्षक: पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल राजवाड़े, **कार्यकारिणी सदस्य:** तिलेश्वर राजवाड़े, राममनोहर राजवाड़े, सुंदरलाल राजवाड़े, धर्मेंद्र राजवाड़े, मेवालाल राजवाड़े **क्षेत्रीय सदस्य:** पुरनलाल राजवाड़े, गुलाब चंद्र राजवाड़े, महेंद्र राजवाड़े। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने नवनिर्वाचित समिति को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और जय राजवाड़े समाज! के जयघोष से वातावरण उत्साह और गर्व से गूंज उठा। उक्त कार्यक्रम की खबर को अपने प्रतिष्ठित अख़बार में स्थान प्रदान कर सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक संरक्षण में सहयोग प्रदान करें।

फोटोयुक्त मतदाता सूची के मुद्रण हेतु निविदाएँ आमंत्रित, 30 तक जमा कर सकते है आवेदन

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत और 02 मनेन्द्रगढ़ में फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के मुद्रण एवं आपूर्ति हेतु इच्छुक मुद्रकों एवं फर्मों से मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की गई हैं। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025 को अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित की गई है। इसके पश्चात प्राप्त अथवा अपूर्ण निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन अर्थात् 30 अक्टूबर 2025 को सायं 3 बजे गठित समिति द्वारा निविदाकर्ताओं या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोला जाएगा। निविदा प्रपत्र, शर्तें एवं विस्तृत जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से मात्र 100 रुपये के चालान (शीर्ष मांग संख्या 0070 अन्य प्रशासनिक सेवाएँ 02-निर्वाचन शुल्क एवं 800 अन्य रसीदें) के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक आवेदक चालान जमा कर 30 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में अपराह्न 12 बजे तक निविदा प्रपत्र ले सकते हैं या जिले की वेबसाइट से निशुल्क डाउनलोड कर सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने इच्छुक फर्मों को समय सीमा का पालन करते हुए निविदा जमा करने की अपील की है।

कोल इंडिया वॉलीबॉल टीम के लिए चुने गए एकमात्र एसईसीएल खिलाड़ी

कोरिया चरचा कालरी। चरचा माइन आर ओ. के प्रतिभाशाली एवं ऊर्जावान कर्मचारी शंकरलाल केसरवानी ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है। वॉलीबॉल खेल में उत्कृष्ट दक्षता के बल पर उनका चयन कोल इंडिया लिमिटेड की टीम में किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूरे एसईसीएल के 16 क्षेत्र में वे एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित टीम में शामिल किया गया है।

हिंदुस्तान कॉर्पोरेशन एवं पेट्रोलियम लिमिटेड कॉर्पोरेशन द्वारा आयोजित ऑल इंडिया पब्लिक सेक्टर वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 6 से 9 नवंबर तक लक्ष्मीबाई इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, रेसकोर्स रोड, ग्वालियर में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शंकरलाल कोल इंडिया टीम की ओर से मैदान में उतरेंगे। शंकरलाल इससे पूर्व भी दो बार कोल इंडिया इंटर कंपनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता में एसईसीएल टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वर्तमान में वे बैकुंठपुर क्षेत्र की वॉलीबॉल टीम के कप्तान हैं। वॉलीबॉल के साथ-साथ वे कबड्डी खेल में भी दक्ष हैं और एक बार कोल इंडिया स्तर पर कबड्डी में भी भाग ले चुके हैं।चरचा कालरी क्षेत्र, जो अपने खेल प्रेम, उत्साह और सामूहिक भावना के लिए प्रसिद्ध है, वहाँ इस चयन की खबर से खुशी की लहर दौड़ गई है। चरचा कालरी के सभी कर्मचारी, अधिकारी एवं खेल प्रेमियों ने शंकरलाल को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शंकर लाल की मेहनत लगन और खेल के प्रति समर्पण चर्चा के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन,शिपिंग कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया ,एनएमडीसी ,भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ,एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ,गेल लिमिटेड ,हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ,भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड आदि है।

70 पौवा शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। आबकारी विभाग ने कार्यवाही करते हुए अवैध रुप से मदिरा परिवहन करते एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 70 पौवा अंग्रेजी शराब एवं वाहन जप्त किया है।

तीन दिवसीय होगा जिला स्तरीय राज्योत्सव में बच्चों और कलाकारों को प्रतीभा दिखाने का मौका

एमसीबी। छत्तीसगढ़ राज्य के गौरवशाली 25 वें स्थापना दिवस को भव्य और ऐतिहासिक स्वरूप देने की तैयारियाँ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में सभी अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें आगामी 02, 03 और 04 नवम्बर 2025 को प्रस्तावित तीन दिवसीय राज्योत्सव के सफल आयोजन हेतु सभी विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बताया कि जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मनेंद्रगढ़ के ग्राउंड में किया जाएगा। इस वर्ष का राज्योत्सव रजत जयंती थीम पर आधारित होगा, जिसमें स्कूली बच्चों और स्थानीय कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केंद्र रहेंगी। उन्होंने कहा कि सभी प्रस्तुतियाँ गरिमामय हों तथा अश्लील एवं फिल्मों गीतों पर आधारित कोई कार्यक्रम को शामिल न किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संपूर्ण प्रबंधन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के मार्गदर्शन में किया जाएगा। साथ ही आयोजन स्थल पर सरस मेला, रॉ पेंटिंग प्रदर्शनी और महिला स्व-सहायता समूहों के स्टॉल भी जनता के विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इसके साथ ही रेस्ट हाउस नई लेदरी में तीन कमरे को आरक्षित करने के लिए निर्देश दिए गए है।

बैठक में निर्देश दिए गए कि सभी विभाग अपने-अपने 25 वर्षों की प्रमुख उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाले आकर्षक स्टॉल तैयार करें। वहीं पुलिस विभाग के द्वारा पिछले वर्ष के भाती इस वर्ष शस्त्र प्रदर्शनी स्टॉल लगाएंगे या नहीं लगाएंगे उसकी जानकारी देने के लिए कहा गया है। वहीं जिन विभागों की योजनाओं में लाभान्वित होने वाले अधिक हितग्राही हैं, उन लाभार्थियों को मौके पर योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ भी प्रदान करने की व्यवस्था स्टॉल के बाहर करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने यह भी कहा कि जिन विभागों को राज्योत्सव हेतु कोई आदेश या बजट प्राप्त हुआ है, वे तत्काल इसकी जानकारी प्रस्तुत करें ताकि समन्वय सुचारू रूप से हो सके। राज्योत्सव की तैयारियों के सुचारू संचालन हेतु

जिले में राज्योत्सव की तैयारियाँ तेज, कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार को नोडल अधिकारी बनाया गया है इसके साथ ही अपर कलेक्टर श्रीमती नम्रता डोंगरे एवं श्रीमती अंकिता सोम शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीआरडीए तथा लिंगराज सिदार अनुविभागीय दण्डाधिकारी मनेंद्रगढ़ को महत्पूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी । वहीं वन मंडलाधिकारी को अतिथियों के सत्कार एवं रेस्ट हाउस की व्यवस्था और कार्यक्रम स्थल पर बास बल्ली उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरक्षा को, पार्किंग एवं भीड़-नियंत्रण की देखरेख करेंगे। इसके साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी को प्रमाण पत्र, प्रतीक चिन्ह (व्ही.आई.पी. एवं सामान्य), उद्घोषक की व्यवस्था तथा अतिथियों हेतु मंच पर फोल्डर व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनसंपर्क विभाग के संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सहायक संचालक उद्यान को मंच, फूल-माला, बुके एवं सजावट की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को मंच डेकोरेशन, बैकग्राउंड बैनर एवं रंगोली की व्यवस्था करने कहा गया है। इसके अलावा खनिज अधिकारी एवं कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग को मंच एवं ग्रीन रूम में जलपान, शाल, श्रीफल आदि की व्यवस्था उद्घाटन से लेकर अंतिम दिन तक के लिए व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग को मंच निर्माण, बैठने हेतु सोफा एवं कुर्सियों की व्यवस्था के साथ बुनियादी व्यवस्थाओं का दायित्व सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. यांत्रिकी को कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु लाइट, साउंड, जनरेटर की व्यवस्था। कार्यपालन अभियंता जल संसाधन एवं सहायक जनसंपर्क अधिकारी को विडियोग्राफी/फोटोग्राफी व्यवस्था तथा मीडिया की समस्त बैठक व्यवस्था लोक निर्माण विभाग के साथ समन्वय से करेंगे। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं तहसीलदार मनेंद्रगढ़ को आमंत्रण पत्र वितरण की व्यवस्था एवं मंच पर बैठक व्यवस्था के लिए कहा गया है। कार्यपालन अभियंता, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना विभाग को अतिथियों को प्रतीक चिन्ह उपलब्ध कराना (व्ही.आई.पी. एवं सामान्य) एवं जिला शिक्षा अधिकारी को देना। जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग को स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए निर्देश दिए गए हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर साफ-सफाई, पानी टेकर, चलित सुलभ शौचालय की व्यवस्था तथा कार्यक्रम समाप्ति पश्चात् तत्काल साफ-सफाई भी सुनिश्चित करने कहा गया है। जिला सेनानी, नगर सेना को कार्यक्रम स्थल पर फायर ब्रिगेड की व्यवस्था। जिला परिवहन अधिकारी को व्ही.आई.पी. के लिए वाहन एवं परिवहन की व्यवस्था करने, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को निमंत्रण पत्र प्रिंटिंग करने के निर्देश दिए गए हैं और जिला खाद्य अधिकारी एवं जिला आबकारी, कार्यपालन अभियंता एवं जलसंसाधन को मंच को छोड़कर कार्यक्रम स्थल पर चाय-नाश्ता की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने बताया कि राज्योत्सव अवधि में 1 से 5 नवम्बर 2025 तक जिला मुख्यालय को दीपमालाओं और रंगीन लाइटिंग से सजाया जाएगा, जिससे जिले में उत्सव का माहौल और भव्य दिखाई दे। उन्होंने सभी विभागों को अपने-अपने दायित्वों का पालन पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ करने के निर्देश दिए। बैठक के समापन पर कलेक्टर ने कहा कि यह राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की विकास-यात्रा, संस्कृति, लोककला और जनभावनाओं का प्रतीक होगा। उन्होंने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि इस आयोजन को गरिमामय, व्यवस्थित और यादगार बनाने में कोई कमी न छोड़ी जाए।

कीचड़ में सनी युवकी लाश मिली

रायपुर। राजधानी रायपुर उरला थानाक्षेत्र में एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया है। युवक की लाश बंजारी नगर वार्ड नंबर 9 में मिट्टी से लथपथ मिली है। सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस मृत युवक की शिनाख्त करने में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, रायपुर के उरला के बंजारी नगर वार्ड नंबर 9 के पास अज्ञात युवक का शव मिला है। युवक का शव खाली प्लॉट पर कीचड़ और मिट्टी से लथपथ अवस्था में मिला है। युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। वहीं शव मिलने की जानकारी मिलते ही खमतराई थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उसकी शिनाख्त करने में जुट गई है। फिलहाल युवक की पहचान नही हो पाई है साथ ही यह भी पता नही चल पाया है कि युवक की मौत कैसे हुई है। पुलिस की टीम हत्या और आत्महत्या दोनों ही एंगल से जांच कर रही है।

राहगीरों से मारपीट कर लूटपाट करने वाला गैंग पकड़ाया

गरियाबंद। जिले के फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के हथखोज गांव में राहगीरों से लूटपाट और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी राहगीरों से लूटपाट करने के बाद अपनी दहशत फैलाने के लिए उन्हें जबरदस्ती पैर छूकर माफी मांगने पर मजबूर करते और गालियां देते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और आरोपियों की पहचान कर धर-पकड़ की कार्रवाई की। मामले में पुलिस ने मोती राज साहू, थनेश साहू, बादशाह खान और असफ ाक कुरैशी को गिरफ्तार किया। पुछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि चारों आरोपी अपने खाने-पीने और नशे की आदतें पूरी करने के लिए राहगीरों को निशाना बनाते थे। ये लोग सुनसान इलाकों में बाइक सवार राहगीरों को रोकते, उनसे मारपीट करते और मोबाइल, नकदी या कीमती सामान लूट लेते थे। इसके बाद घटनाओं का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते थे, ताकि इलाके में दहशत का माहौल बना रहे। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपियों ने फिंगेश्वर और राजिम थाना क्षेत्र में चार से अधिक वारदातें की थीं।

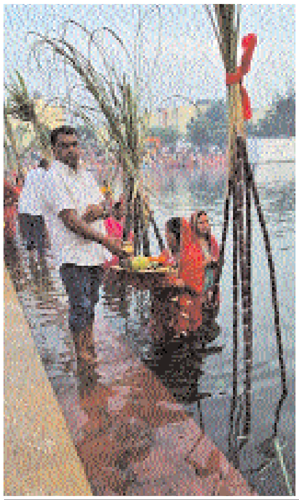

भुवन भास्कर को दिया अर्घ्य, सबके कल्याण की कामना

घाटों पर सुबह रही भारी भीड़

कोरबा। औद्योगिक नगर कोरबा सहित उपनगरीय क्षेत्रों में सूर्य उपासना का महत्वपूर्ण छठ आज सुबह उदित होते भुवन भास्कर को अर्घ्य देने के साथ पूर्ण हो गया। घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ आम लोग भी उमड़े। यहां पर सभी लोगों के साथ प्रदेश और देश के समग्र कल्याण की कामना की गई।

लघु भारत कहे जाने वाले कोरबा में देश के अधिकांश प्रांतों के लोगों का बसेरा है। अलग-अलग तीज-त्योहार पर मिलीजुली संस्कृति यहां नजर आती है जो विविधता में एकता का दर्शन कराती है। छठ पूजा पर्व पर भी कुछ ऐसी ही तस्वीर यहां दिखाई दी। कोरबा नगर, उपनगरीय क्षेत्र सहित अन्य हिस्से में हसदेव, अहिरन, लीलागर नदी के अलावा नालों से लेकर तालाबों के घाट पर छठ पूजा मनाने के लिए पूर्वांचल के साथ-साथ दूसरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने अपने सरोकार दिखाए। चार दिवसीय पर्व के तीसरे दिन अस्त होते और चतुर्थ दिवस उदित होते सूर्य को अर्घ्य दिया गया। मौसम की अनुकूलता के साथ घाटों पर अपेक्षा से कहीं ज्यादा भीड़ का सैलाब उमड़ा। आतिशबाजी, बैंड बाजे के साथ श्रद्धालु घाटों तक पहुंचे। घाटों पर बनाई गई बेदियों में उन्होंने पूजा अर्चना की। जनधारा में उपस्थिति सुनिश्चित कर पूर्व से शुभ संकेत देते हुए सूर्य की लालिमा को देख उन्होंने अर्घ्य दिया। इस दौरान छठ गीतों की स्वर लहरियां वातावरण को नया रूप देती रही। महिलाओं के समूह ने भी इनमें अपना सुर मिलाया। छठ की पूर्णता पर व्रतियों और उनके परिजनों ने पर्व पर पहुंचे लोगों को प्रसाद का वितरण किया। यहां पर संपूर्ण प्राणीमात्र के लिए आरोग्य, यश, दीर्घ जीवन और उन्नति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

सरोकार दिखाने में रहे आगे

कोरबा सहित अन्य क्षेत्रों में पूर्वांचल समिति, राजपूत क्षत्रिय समाज के अलावा हिन्दू संगठनों से जुड़े लोगों ने अपने सामाजिक सरोकार दिखाए। पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद, अवधेश सिंह, गोपाल नारायण सिंह, विकास सिंह, अभिषेक सिंह, शैलेंद्र सिंह और अन्य लोगों ने मौके पर व्यवस्था की। महापौर संजू देवी राजपूत के प्रयासों से शहरी क्षेत्र के छठ घाटों में इस बार महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम का प्रबंध भी किया गया, ताकि असुविधा न हो। सभी जगह सुरक्षा के लिए पुलिस तैनात रही।

युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं को मिली जवाबदारी

कोरबा। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस एक नवंबर को रायपुर आ रहे हैं। उनकी सभा को सफल बनाने के लिए कोरबा जिले के युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं को भी जवाबदारी दी गई है। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष पंकज सोनी के द्वारा 20 सदस्यों की सूची बनाकर रायपुर भेजा गया है। इन सभी सदस्यों की बैठक कल रायपुर में आयोजित की गई है। इसके अलावा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता मुकेश कौशिक, जय गर्ग, सुभाष राठौर, हिमांशु पांडे, दिनेश तिवारी, भूपेंद्र साहू, साकेत शर्मा, संजय मानिकपुरी, किशन केशरवानी भी जाने की तैयारी कर रहे हैं।

विधानसभा स्तरीय बैठक 30 को

कोरबा। भाजपा की विधानसभा स्तरीय बैठक शुरू हो गई है। कोरबा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक पिछले दिनों आयोजित की गई थी। जिसमें किए गए कार्यों की समीक्षा आत्मनिर्भर भारत अभियान सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में राजेश राठौर, डिलेंद्र यादव, मनीष मिश्रा, योगेश मिश्रा, मनोज लहरे सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल हुए थे। 30 अक्टूबर को रामपुर विधानसभा क्षेत्र की बैठक है। करतला में आयोजित इस बैठक में बेलतरा के विधायक सुशांत शुक्ला शामिल होंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए रामकुमार गभेल, बृजलाल राठिया, कमलेश अनंत, प्रतिमा सोनवानी सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं। इसी तरह दीपका में भी 30 अक्टूबर को कटघोरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक होगी, जिसमें विधायक धरमलाल कौशिक शामिल होने आ रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभिषेक गर्ग, दिनेश राठौर, चुलेश्वर राठौर, प्रीतम देवांगन, हीरानंद पंजवानी, डेक्रांत देवांगन, रमेश श्रीवास, टिकैत डोंगरे, अरुणीश तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता सक्रिय हो गए हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने चेयरमेन से की मुलाकात

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर जाकर चेयरमेन से मुलाकात की है और बिजली कर्मचारियों की समस्याओं को सामने रखते हुए प्रस्ताव भी रखा है जिसमें कहा गया है कि संविदा कर्मियों को नियमित किया जाए या उनके वेतनवृद्धि करते हुए अन्य मांगों को पूरा किया जाए। जब तक संविदा कर्मी नियमित नहीं किए जाते हैं उनके वेतन वृद्धि करते हुए उनसे कार्य लिया जाए। प्रतिनिधि मंडल में शामिल राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल, महामंत्री नवरतन बरेठ ने आगे कहा कि बिजली कर्मचारी एक महीने से लगातार आंदोलन कर रहे हैं। अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता है तो आने वाले दिनों में आंदोलन किए जा सकते हैं।

सड़ांध ने किया परेशान

कोरबा। मुड़ापार बेरियर के पास पोल्ट्री फार्मों के अपशिष्ट के अवैध भंडारण के कारण सड़ांध की समस्या लोगों को परेशान कर रही है। इसका निराकरण कैसे हो यह बड़ा सवाल है।

रेलवे की अनुमति के अभाव में लटका रेल अंडरपास का मामला

रेलवे ट्रैक के नीचे से होना है पाइपलाइन की शिफ्टिंग

कोरबा। प्रशासन और रेलवे की बराबर की साझेदारी से कोरबा में पहली रेल अंडरपास संजय नगर क्षेत्र में बना है प्राथमिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई है लेकिन पाइपलाइन शिफ्टिंग के मामले में रेलवे की अनुमति अब तक नहीं मिल सकी। इस वजह से निर्माण का काम लगातार देर हो रहा है। नगर पालिक निगम इसी के इंतजार में है।

लगभग 31 करोड रुपए की लागत से रेल अंडरपास का निर्माण कोरबा के संजय नगर क्षेत्र में रेलवे क्रॉसिंग इलाके में होना है। बीते कई दशक से यहां बार-बार फाटक बंद होने और जाम लगने के कारण लोग परेशान हैं। कई मौके पर सर्वे और बजट में काम को शामिल करने के बाद भी आगे की प्रक्रियाएं नहीं हो सकी। पिछले वर्ष हुई अप्रोच के बाद जिला खनिज न्यास और रेलवे ने कुल लागत की आधी आधी राशि देना तय किया और इस प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया। निर्माण कार्य के लिए छत्तीसगढ़ सेतु निगम की कोरबा इकाई को अधिकृत किया गया है जिसके द्वारा इस कार्य का टेंडर प्रक्रिया में लाया गया है। निर्माणाधीन क्षेत्र के आसपास लंबे समय से निवासरत लोगों को लगभग 9 करोड रुपए का मुआवजा बांट दिया गया है। इनमें से अब कुछ ही मामले हाईकोर्ट में विचाराधीन है जिनका निराकरण जल्द होना है।

छत्तीसगढ़ सेतु निगम के कोरबा स्थित सब डिवीजन ऑफिसर ने बताया कि पहले ही निर्माण कार्य की निविदा लगाई जा चुकी है। बिड के स्तर पर प्रक्रिया की जा रही हैं जबकि कीमत के स्तर पर कार्य फाइनल होना बाकी है। पूरी उम्मीद है कि संभवत नवंबर महीने में इसे मूर्त रूप दे दिया जाएगा।

हर कोई इस बात को जानना चाहता है कि आखिर कोरबा की समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित संजय नगर रेल अंडरपास के निर्माण में आखिर किस प्रकार की मुश्किलें सामने आ रही है। नगर निगम के जल प्रदाय विभाग के प्रमुख राकेश मसीह ने बताया कि लगभग 1 करोड़ 65 लख रुपए की लागत से रेल अंडर पास के आसपास की वाटर सप्लाई पाइपलाइन की शिफ्टिंग का अधिकांश काम पूरा कर लिया गया है। सबसे बड़ा अड़ंगा रेलवे ट्रैक के नीचे के हिस्से से पाइपलाइन को शिफ्ट करने का बचा हुआ है। रेलवे के पास बहुत पहले इस बारे में आवेदन दिया गया था लेकिन उसकी ओर से अब तक अनुमति प्राप्त नहीं हुई है और सिर्फ इस कारण से शिफ्टिंग का एक हिस्सा बचा हुआ है। सबसे गौर करने वाली बात यह है कि कम से कम तीन बार पाइप लाइन की शिफ्टिंग को लेकर रेलवे के अधिकारी खुद इस इलाके का निरीक्षण कर चुके हैं और वस्तु स्थिति को समझ चुके हैं। इसके बावजूद अनुमति की प्रक्रिया विलंबित करना समझ से परे हैं।

11 हाथियों ने कोरिया तो 31 ने किया छाल का रूख

कोरबा। जिले के कटघोरा एवं कोरबा वनमंडल में सक्रिय शताधिक हाथियों ने अब अन्यत्र जाना शुरू कर दिया है। जहां कटघोरा वनमंडल के केंदई एवं पसान रेंज में मौजूद 54 हाथियों में से 11 हाथियों का दल अलग होकर कोरिया डिविजन का रूख कर लिया। वहीं कोरबा वनमंडल के करतला रेंज अंतर्गत बड़मार सर्किल में घूम रहे 31 हाथियों का दल अब रायगढ़ जिले के छाल रेंज पहुंच गया है। हाथियों के दल ने विगत दो दिनों के दौरान क्षेत्र को छोड़ना शुरू किया और छाल रेंज में जाने के बाद एक साथ मिलकर विचरण शुरू कर दिया है। हाथियों ने जाने से पहले बड़मार गांव में उत्पात मचाया और एक दर्जन ग्रामीणों के खेतों में तैयार धान की फसल को रौंद दिया जिससे संबंधितों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। इस बीच 42 हाथियों का झुंड कटघोरा वनमंडल अंतर्गत पसान रेंज पहुंच गया है। हाथियों के इस झुंड को आज सुबह यहां के हरदेवा गांव में स्थित जंगल में विचरण करते हुए देखा गया। बड़ी संख्या में हाथियों के आने से क्षेत्र के ग्रामीण दहशत में है वहीं वन अमला उसकी निगरानी में जुट गया है। हरदेवा व आसपास के गांव में मुनादी कराने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

कापानवापारा गांव में रात भर घूमता रहा लोनर

जहां 42 हाथियों का दल कापानवापारा गांव से हरदेवा पहुंच गया है वहीं एक लोनर हाथी अभी भी यहां मौजूद है। क्षेत्र में मौजूद लोनर बीती रात गांव की बस्ती में घुस गया और रात भर यहां की गलियों में विचरण करता रहा। जिसकी भनक किसी भी ग्रामीण को नहीं लगी। गांव में काफी देर तक भ्रमण करने के बाद सुबह 4 बजे के लगभग जब लोनर ने रोड को पार किया तो क्षेत्र में स्थित ढाबा के चौकीदार ने इसे देखा और ग्रामीणों तथा वन विभाग को इसकी जानकारी दी। राहत की बात यह रही कि लोनर रात भर गांव में घूमा लेकिन किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। वर्तमान में यह लोनर गांव के जंगल में विचरणरत है।

3.33 करोड़ राम नाम लिखेंगे तीन लाख परिवार जिले में

अभियान को क्रियान्वित करने बनाई गई समिति

कोरबा। सामाजिक सद्भाव में बढ़ोत्तरी के साथ कई प्रकार की आसन्न चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न कार्य कोरबा जिले में संपादन की योजना बनाई गई है। कोरबा जिले के अब तक के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है जबकि 3.33 करोड़ राम नाम लिखने का काम लोग करेंगे। तीन लाख परिवारों को इस अभियान से जोड़ा जाना है। उन्हें जल्द ही राम नाम लेखन पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

सरस्वती विद्यालय वीआईपी रोड में इस योजना की कार्ययोजना को लेकर वृहद बैठक संपन्न हुई। विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भूमिका निभाने और समाज को मार्गदर्शन देने वाले लगभग 400 लोग इसमें उपस्थित रहे। मेदिनी मिश्रा के राम नाम ध्यान से बैठक का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात् योजना का प्रस्ताव पठन किया गया। बताया गया कि नवंबर महीने में गृह संपर्क अभियान के तहत अक्षत के साथ लोगों को राम नाम लेखन महायज्ञ का निमंत्रण दिया जाएगा। 1 से 17 दिसंबर तक राम नाम लेखन पुस्तिका लोगों को वितरित की जाएगी। मानवता के लिए काम करने वाले गुरु घासीदास बाबा की जयंती 18 दिसंबर से लेखन कार्य प्रारंभ होगा। 24 दिसंबर तक इसे पूरा किया जाएगा। 18 दिसंबर से राम नाम संकीर्तन के साथ शहर की बस्तियों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभात या संध्या फेरी निकाली जाएगी। योजना के तहत 25 दिसंबर को बस्ती और ग्रामों से सभी पुस्तिकाएं एक स्थान पर एकत्रित कर धार्मिक आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त खाद्यान्न से राम खिचड़ी तैयार कर इसका वितरण किया जाएगा।

अभियान समिति के रामसिंह अध्यक्ष, योगेश संयोजक

राम नाम लेखन महायज्ञ समिति के लिए बैठक में आयोजक डॉ. विशाल उपाध्याय ने कार्यकारिणी की घोषणा की। रामसिंह अग्रवाल इसके अध्यक्ष और योगेश जैन संयोजक बनाए गए हैं। सह संयोजक देवेंद्र द्विवेदी, टेकचंद अग्रवाल, अजय कंवर, किताब सिंह, विरेंद्र मरकाम, कोषाध्यक्ष केएम बाबू, सदस्य कमलेश मिश्रा, सुमित सिंह, प्रमोद अग्रवाल, राकेश मिश्रा, हरिकेश गुप्ता, रमेश शर्मा, डी.वेकेंट राव, रमेश कश्यप और आशीष गोयल को प्रचार प्रमुख बनाया गया है। जबकि मार्गदर्शक मंडल में संत रघुनाथ जी शारीरिक गुरु गिरीजेश नंदिनी, सत्येंद्र नाथ दुबे, किशोर बुटोलिया, डॉ. विशाल उपाध्याय और अशोक तिवारी को शामिल किया गया है।

अयोध्या पहुंचाई जाएगी पुस्तिकाएं

बताया गया कि 26 दिसंबर को ग्रामीण क्षेत्रों की पुस्तिका मंडल केंद्र में एकत्रित कर धार्मिक कार्य संपन्न होगा। अगली कड़ी में ऐसी साी पुस्तिकाएं 28 दिसबर को कोरबा आएगा। अयोध्या के रामलला मंदिर की द्वितीय वर्षगांठ 22 जनवरी को ये सभी पुस्तिकाएं बाइक रैली के माध्यम से अयोध्या भिजवाई जाएंगी। इसके लिए बड़ी तैयारी अगले महीने से शुरू की जाएगी।

देवउठनी एकादशी की हो रही तैयारी

कोरबा। कार्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान विष्णु जागृत स्थिति में आएंगे। इस अवसर पर देवउठनी एकादशी धूमधाम से मनाई जाएगी। कोरबा शहर और विभिन्न क्षेत्रों में इस पर्व को मनाने के लिए तैयारी की जा रही है। विशेष तौर पर हिंदू परिवार इस त्यौहार को मानते हैं। उनके घरों में अनिवार्य रूप से तुलसी चौराहा की उपस्थिति है जिसकी साफ सफाई और नया कलेवर देने का काम चल रहा है। एकादशी पर तुलसी और शालिगराम विवाह के लिए मंडप बनाने में जिस गन्ना का उपयोग होता है उसकी खपत छठ पर्व के साथ हो गई है। एकादशी और फिर इसके बाद देव दीपावली को लेकर भी बाजार में पर्याप्त रौनक है और लोगों के द्वारा खरीदारी की जा रही है।

गेवरा कर्मियों को मिला वाटर बॉटल

कोरबा। एसईसीएल गेवरा परियोजना में कार्यरत कोयला कामगारों को वॉटर बॉटल दिया जाता है। इस मामले को आईआर बैठक में जेसीसी सदस्यों ने उठाया था। काफी दिनों से यह मामला लंबित होने के कारण लगातार मांग उठाए जा रहे थे। जेसीसी सदस्य रेशमलाल यादव, मदन सिंह, दीपक उपाध्याय ने इस मामले को एरिया में रखा था। जबकि प्रोजेक्ट के जेसीसी अलग से इस मामले को उठा रहे थे। वॉटर बॉटल देने का कार्य शुरू कर दिया गया है। जिसका स्वागत छंदराम राठौर, कुलदीप कुमार, गिरीश शुक्ला, गिरीश जायसवाल, एमपी सिंह, शेख चांद मंसूरी, अनूज राम सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने किया है।

जलाराम बापा के प्राकट्य उत्सव पर आयोजन आज

कोरबा। श्री जलाराम सेवा समिति द्वारा जलाराम मंदिर में संत श्री जलाराम बापा का जयंती उत्सव आज धूमधाम से मनाया जाएगा। 28 अक्टूबर मंगलवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में जलाराम मंदिर में विराजित श्री विग्रहों का वस्त्र बदला जाएगा जिसके दाता नंदलाल भाई जेठवा परिवार है। सुबह 9.30 बजे जलाराम बापा का अभिषेक पूजन, अखंड दीप प्रागट्य किया गया। शाम 5 बजे संयुक्त सभा, वार्षिक आय-व्यय की प्रस्तुति के बाद दाताओं का आभार व्यक्त किया जाएगा। शाम 6.30 बजे दैनिक पूजा-आरती पश्चात जलाराम बापा की महाआरती होगी। रात्रि 7.30 बजे से महाप्रसाद भंडारा आयोजित होगा।

महाप्रसाद भंडारा के दाता पीयूष भाई नितिन भाई राठौड़ व कल्पेश भाई नितिन भाई राठौड़ (पीयूष सीट मेकर्स) होंगे। जलाराम सेवा समिति के किशोर भाई पटेल ने बताया कि समाज के दो परिवार में आकस्मिक शोक की घटना के कारण इस वर्ष जलाराम बापा की शोभायात्रा का कार्यक्रम स्थगित किया गया है। बाकी सभी कार्यक्रम पूर्व की तरह जलाराम मंदिर में ही संपन्न होंगे। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार आयोजन में शामिल होने आग्रह किया है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com